भाद्रपद कृष्ण - 10 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 37 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 29-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री विपक्षी दलों को धमका रही हैं : भाजपा

6 छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

7 करण जौहर की वेब सीरीज 'कॉल मी बे' से अभिनय क्षेत्र में कदम रखेगी लिसा मिश्रा

भारत में ओलंपिक जरूर होने चाहिए, इससे खेलों में योग्यता को बढ़ावा मिलेगा : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मानना है कि 2036 ओलंपिक की मेजबानी की भारत की महत्वाकांक्षा सही दिशा में उठाया गया कदम है क्योंकि इससे ना केवल लोगों को प्रेरणा मिलेगी बल्कि देश के खेल परिदृश्य में योग्यता को भी बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रपति ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में 'पीटीआई' के वरिष्ठ संपादकों के साथ विशेष बातचीत की और कबड्डी जैसे भारत के स्वदेशी खेलों की प्रशंसा की।

मुर्मू ने कहा, ''मुझे खेल देखना पसंद है, हालांकि मुझे खेलने के बहुत ज्यादा मौके नहीं मिले। लेकिन जब भी मौका मिला, मैंने भारतीय खेलों को प्राथमिकता दी।''

राष्ट्रपति ने कहा, ''ओलंपिक निश्चित रूप से भारत में होने चाहिए। इससे लोग प्रेरित होंगे और खेलों में योग्यता को बढ़ावा मिलेगा।''

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'पीटीआई-भाषा' के लिए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर विशेष हस्ताक्षरित लेख भी लिखा।

मेजबान देश पर निर्णय 2026 से पहले लिए जाने की उम्मीद नहीं है और यह 2027 में भी हो सकता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अगले साल अपने चुनाव कराने के बाद ही प्रक्रिया शुरू करेगी। पोलैंड, मैक्सिको, इंडोनेशिया, कतर और सऊदी अरब उन देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी में रुचि दिखाई है।

टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता दी जाएगी : जय शाह

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नव-निर्वाचित चेयरमैन जय शाह ने कहा है कि वह अपने कार्यकाल में यह सुनिश्चित करेंगे कि टेस्ट क्रिकेट खेल का 'आधार' बने और इस दौरान वह 'क्रिकेट की प्रगति में बाधा डालने वाली बाधाओं को दूर करने' का भी प्रयास करेंगे। वर्ष 2019 से बीसीसीआई सचिव की भूमिका निभा रहे 35 वर्षीय शाह 62 वर्षीय ग्रेग बार्कले से एक दिसंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। वह आईसीसी के सबसे युवा चेयरमैन होंगे।

जन धन योजना ने वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री जन धन योजना' के 10 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को कहा कि यह योजना सम्मान, सशक्तीकरण और राष्ट्र के आर्थिक जीवन में भागीदारी के अवसर का प्रतीक है।

मोदी ने जन धन योजना को सफल बनाने के लिए काम करने वालों की भी सराहना की और कहा कि यह योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण रही है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर लिखा, ''आज एक ऐतिहासिक दिन है... जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं और इस योजना को सफल बनाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी लोगों को भी बहुत-बहुत बधाई।'' उन्होंने कहा कि जन धन योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और करोड़ों लोगों खासकर महिलाओं, युवाओं तथा वंचित समुदायों को सम्मान देने में सबसे आगे रही है।

प्रधानमंत्री ने पेशेवर मंच 'लिंक्डइन' पर बाद में लिखा, ''आज प्रधानमंत्री जन धन योजना को शुरू हुए एक दशक हो गया है और यह पहल महज एक नीति नहीं है। यह एक ऐसे भारत के निर्माण का प्रयास है, जहां हर नागरिक, चाहे उसकी आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, उसकी औपचारिक बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच हो।''

मंत्रिमंडल ने 12 नए औद्योगिक शहरों की स्थापना को मंजूरी दी

28,602 करोड़ रुपए का निवेश होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए बुधवार को 28,602 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से 10 राज्यों में 12 नए औद्योगिक शहरों की स्थापना को मंजूरी दी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में लिए गए इस अहम फैसले की जानकारी दी। इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की।

वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत 28,602 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से 12 नए परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी है। ये औद्योगिक शहर उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब के राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र के दिघी, केरल के पलक्कड़, उत्तर प्रदेश के आगरा एवं प्रयागराज, बिहार के गया, तेलंगाना के जहीराबाद, आंध्र प्रदेश के ओर्वकल एवं कोपर्थी, राजस्थान के जोधपुर-पाली और हरियाणा में स्थित होंगे।

कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/एजेन्सी। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुयी है। अधिकारियों ने बुधवार शाम को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तंगधार सेक्टर के ताड़ इलाके में संयुक्त बलों ने नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने बताया, आज शाम सेना की एक चौकी के पास घुसपैठ की कोशिश देखी गई और सेना के जवानों ने जब आतंकवादियों को चुनौती दी, तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सेना के जवानों ने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलायीं। गोलीबारी में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

29-08-2024 सूर्यास्त 6:32 बजे | 30-08-2024 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
81,785.56 (+73.80)	25,052.35 (+34.60)

सोना	चांदी
7,374 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	85,767 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सर्वधर्म समभाव

अगर सभी पढ़ कर समझें,
रामायण बाइबिल और कुरान।
गुरुवाणी का भी करें पाठ,
महावीर बुद्ध पर धरें ध्यान।
समझें यदि सबका सार तत्व,
वैदिक वैज्ञानिक सोच जान।
समभाव और समरसता से,
जानें भारत है क्यों महान।।

सीएए के तहत पाकिस्तानी ईसाई को मिली भारतीय नागरिकता

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के तहत 78 वर्षीय एक पाकिस्तानी ईसाई को भारतीय नागरिकता प्रमाणपत्र सौंपा, जिससे वह राज्य में इस तरह नागरिकता हासिल करने वाले पहले व्यक्ति बन गए। जोसेफ फ्रांसिस परेरा गोवा की आजादी से पहले पढ़ाई के लिए गोवा से पाकिस्तान गए थे और बाद में वहीं नौकरी करने लगे। पाकिस्तानी नागरिकता हासिल होने के बाद वह कराची में रह रहे थे, लेकिन 2013 में वह भारत लौट आये। मुख्यमंत्री ने कहा कि परेरा की शादी गोवा की एक महिला से हुई थी,

समाज की योग्यता के अनुसार मिलते हैं नायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हर कोई नायक नहीं बन सकता। नायक बनने की कुछ योग्यताएं होती हैं और कुछ गुण होते हैं। नेतृत्व चाहे धर्म का हो या समाज अथवा राष्ट्र का, नायक निःस्वार्थी, निष्पक्ष, निष्ठावान और निडर होने चाहिए। जैसे तैसे के हाथों में बागड़ोर सौंपने का अर्थ है, अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारना। इतिहास साक्षी है कि इस प्रकार हमने अपना, समाज का और राष्ट्र का भारी नुकसान किया है। सामान्य आदमी परेशान होता है, नायकों को कुछ भी फर्क नहीं पड़ता। इस बीच कोई अच्छा व्यक्ति आवाज उठाता है और नायक के रूप में उभरता है तो सभी भ्रष्ट नायक मिलकर उसे इस कदर परेशान करते हैं कि वह दोबारा नेतृत्व करने का साहस भी नहीं जुटा पाता।

जैनाचार्य ने कहा कि लोग हमेशा बुरे नेतृत्व को कोसते रहते हैं, लेकिन परिवर्तन के लिए निष्पक्ष, निःस्वार्थी नायक के पक्ष में बलिदान देने को तैयार नहीं होते। समाज की यह लापरवाही और उदासीनता ही उनकी परेशानियों की मूल वजह हैं। वक्त पर संगठित होकर आवाज उठाना और अच्छे लोगों को नेतृत्व सौंपने के लिए अंत तक संघर्ष करना अत्यंत जरूरी होता है।

मात्र छोटे-मोटे प्रयासों से सब कुछ बदल जाएगा और सही नेतृत्व के हाथों में बागड़ोर आ जाएगी, ऐसा मानकर चलना, समाज की भ्रांत धारणा है। कोई देश, राज्य, समाज या संगठन रातोंरात सफल नहीं हो जाते और अचानक कमज़ोर भी नहीं बन जाते। दोनों ही परिस्थितियों में नायकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। बार बार जब हम राष्ट्र या समाज की सत्ताएं गलत लोगों के हाथों में सौंपते हैं तो उसका खामियाजा भी हमें ही भुगतान पड़ता है। अयोग्य, मूर्ख, अपरिपक्व, डरपोक या अकुशल के हाथों में नेतृत्व हरगिज नहीं सौंपना चाहिए।

नेतृत्व में परिवारवाद की भूमिका भी नहीं होनी चाहिए। कोई आवश्यक नहीं है कि पिता जितनी क्षमता, कुशलता, परिपक्वता पुत्र की भी हो। इसलिए पिता के बाद पुत्र को नायक बनाना समाज की मूर्खता और अक्षमता को दर्शाता है।

यहां यह याद रखा जाना चाहिए कि सिर्फ नायक ही गलत नहीं होते, गलत को नेतृत्व सौंपकर समाज भी गलतियां करता हैं। हर काल में समाज की योग्यता के अनुसार ही उसे नायक मिलते हैं। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि शनिवार से जैनधर्म का सबसे बड़ा पर्व पर्युषण प्रारंभ हो रहा है। उसकी तैयारियां चल रही है।

'बच्चों के मानसिक विकास की जिम्मेदारी अभिभावकों की है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हीराबाग जैन स्थानक सेपिंग्स रोड में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री आगमश्रीजी व धैर्याश्रीजी के सान्निध्य में कैरियर कॉउंसिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें पूना से आए कैरियर काउंसलर जितेंद्र बोरा ने बच्चों को डीएमआईटी फिंगर प्रिंट्स के आधार पर ब्रेन मैपिंग टेस्ट, ब्रेन विकास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बोरा ने बच्चों को अपनी मानसिक शक्ति को सशक्त बनाने के गुर सिखाएं। उपस्थित सभी अभिभावकों से बोरा ने निवेदन किया कि वे बच्चों की मानसिक व शारीरीक विकास पर पूरा ध्यान दे तभी बच्चों का भविष्य उज्वल होगा।

केवलमुनि भवन में बसंतमुनि ने किया सार्वजनिक केशलोचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय उपाध्यायश्री केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट शूले के दिवाकर दरबार में प्रवर्तक रमेशमुनि के शिष्य संतश्री बसंतमुनिजी का सार्वजनिक केश लोचन हुआ। इस मौके पर शूले संघ के अलावा येलुगुंडापाल्यम, आस्टिन टाउन, अलसूर आदि क्षेत्रों से अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। 84 वर्षीय स्थिवर संत बसंतमुनिजी ने स्वयं अपने हाथ से केश लोच किया। ट्रस्ट के महामंत्री प्रेमकुमार कोठारी ने बताया कि केश लोचन के समय श्रद्धालुओं ने नवकार मंत्र का जाप एवं विभिन्न गीत गायन के माध्यम से अनुमोदना की।

चेक बाउंस मामले में अभिनेत्री पद्मजा राव को तीन महीने की कैद, 40.20 लाख का जुर्माना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु की एक अदालत ने अभिनेत्री पद्मजा राव को 40 लाख रुपये के चेक बाउंस के चार वर्ष पुराने एक मामले में तीन माह साधारण कैद और 40.20 रुपये लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनायी। प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट की आठवीं अदालत (आठवीं जेएमएफसी अदालत) ने मंगलवार को इस मामले में सुनवाई पूरी करते हुए यह फैसला सुनाया।

याचिका में आरोप लगाया गया कि अभिनेत्री पद्मजा राव ने 'वीरू टॉकीज' के मालिक एवं मंगलूरु निवासी वीरेंद्र शेट्टी से 40 रुपये लाख का कर्ज लिया था और गारंटी के तौर पर शेट्टी को एक चेक दिया था। इसमें कहा गया कि रुपये नहीं लौटाने पर जब शेट्टी ने चेक को 17 जून 2020 को भुगतान के लिए बैंक में जमा कराया तो पता चला कि अभिनेत्री के खाते में पर्याप्त धनराशि नहीं है जिसके चलते चेक बाउंस हो गया। शेट्टी ने 30 जून 2020 को अभिनेत्री को 15 दिन के भीतर कर्ज चुकाने का नोटिस दिया लेकिन कोई जवाब नहीं आया जिसके बाद उन्होंने अदालत का रुख किया।

सुनवाई के दौरान पद्मजा ने दलील दी कि उन्होंने न तो कोई कर्ज लिया था और न ही शेट्टी को कोई चेक दिया था। अदालत में अभिनेत्री के वकील ने दावा किया कि उनके घर से उनका चेक किसी ने चोरी कर लिया था, हालांकि वह अपने दावों को साबित करने के लिए अदालत में कोई सबूत पेश नहीं कर सकीं। आखिर में अदालत ने सुनवाई पूरी करने के बाद अभिनेत्री को तीन माह की कैद की सजा सुनाने के साथ 40.20 लाख रुपये का जुर्माना भरने का भी निर्देश दिया।

शादी समारोह

बुधवार को बेंगलूरु के एक निजी होटल में मंत्री बैराती सुरेश के बेटे संजय और विधायक एसआर विश्वनाथ की बेटी अपूर्वा की सगाई समारोह में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या। इस मौके पर मंत्री मंत्री रामलिंगारेड्डी, मधु बंगारप्पा, डॉ. एमसी सुधाकर, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू, नसीर अहमद और कई अन्य उपस्थित थे।

अपनी किताबों पर दोनों नातिन की बजाय भारत के बच्चों से प्रतिक्रिया लेना पसंद करती हूं : सुधा मूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। लेखिका और समाजसेवी सुधा मूर्ति का कहना है कि जब बच्चों के लिए लिखी उनकी पुस्तकों पर गहराई वाली प्रतिक्रिया की बात आती है तो वह लंदन में रहने वाली अपनी नातिनों की बजाय बेंगलूरु और अन्य भारतीय शहरों के युवा पाठकों को चुनती हैं।

सुधा मूर्ति की पुस्तकों 'ग्रैंडपेरेंट्स बैग ऑफ स्टोरीज' (2020) और 'ग्रैंडमांज बैग ऑफ स्टोरीज' (2015) के सीक्वल के रूप में उनकी नई किताब 'ग्रैंडपाज़ बैग ऑफ स्टोरीज' हाल में आई है। सुधा मूर्ति के अनुसार, उनकी दोनों नातिन जो अभी किशोरावस्था में कदम रख रही हैं, अपनी नानी की किताब को बहुत ही सामान्य मानती हैं और उन्हें अंग्रेजी की 'क्लासिक' किताबें पढ़ने का शौक है।

उन्होंने पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं उनसे

(नातिनों से) उतनी बार नहीं मिल पाती, जितना दूसरे बच्चों से मिलती हूं। और वे भारतीय परिस्थितियों से इतना जुड़ाव नहीं महसूस कर पातीं, जबकि भारत में मेरे बच्चे बहुत ज्यादा जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि भारत में पले-बढ़े बच्चे मुझे मेरी नातिनों की तुलना में ज्यादा गहराई वाली प्रतिक्रिया देते हैं। सुधा मूर्ति की बेटी अक्षता हैं और उनके दामाद ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक हैं। अक्षता और सुनक की दो बेटियां अनुष्का और कृष्णा हैं। इसी महीने 74 साल की हुईं सुधा मूर्ति के लिए लेखन का अर्थ है प्रसन्नता। वह अब तक 46 किताब लिख चुकी हैं। हालांकि वह इसे पर्याप्त नहीं मानतीं।

उनकी नई किताब में उनके पति और उद्योगपति एनआर नारायण मूर्ति से प्रेरित पात्र 'अज्ञा' (नाना) को एक कहानीकार के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सुधा मूर्ति बच्चों और किशोर पाठकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। वह कहती हैं, मैं कहानी लिखते समय बच्चा बन जाती हूं और उनकी तरह ही सोचती हूं। एक बच्चे को कहानी में क्या पसंद है: हास्य, अच्छी बातें.... और दुखद अंत तो बिल्कुल नहीं।

कर्नाटक के हुब्बल्ली में 1950 में एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मीं सुधा मूर्ति ने अपने पति के साथ मिलकर आईटी कंपनी इंफोसिस की शुरुआत की थी। इंफोसिस फाउंडेशन की पूर्व अध्यक्ष सुधा मूर्ति को इस साल मार्च में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने राज्यसभा सदस्य मनोनीत किया था।

स्वामीनारायण मंदिर में बच्चों के लिए आयोजित हुआ 'संस्कृति' विषयक शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में संतश्री डाक्टर स्वामी की उपस्थिति में बालक-बालिका संस्कार शिविर का आयोजन किया गया, जिसका विषय था 'संस्कृति'। शिविर में पूरे वर्ष के भारतीय संस्कृति के 20 त्योहारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा प्रवचन व अन्य धार्मिक गतिविधियों द्वारा बच्चों का ज्ञानवर्धन किया गया।

बच्चों ने अन्नकूट, झोली उत्सव, जन्माष्टमी, महाशिवरात्रि, होली, रथयात्रा, गणेश चतुर्थी, हनुमान जयंती जैसे अनेक त्योहार मनाए तथा उनके महत्त्व को जाना। शिविर के दौरान रथयात्रा उत्सव के साथ शिविर में शामिल 515 बालक बालिकाएं राजाजीनगर में एक व्यसन मुक्ति रैली से भी जुड़े। इस मौके पर संत डाक्टरस्वामी ने बच्चों को माता पिता को प्रणाम, रोज भगवान की प्रार्थना, मोबाइल आदि आधुनिक साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग के कई नियम बताए।

कलबुर्गी और कोचुवेली के लिए त्यौहार पर विशेष ट्रेनों का संचालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार रेलवे बोर्ड ने गणेश चतुर्थी त्यौहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 06589/06590 एसएमवीटी बेंगलूरु-कलबुर्गी-एसएमवीटी बेंगलूरु साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल की तीन फेरे लगाए जाएंगे।

ट्रेन संख्या 06589 एसएमवीटी बेंगलूरु से 5, 6 और 7 सितंबर को 21:15 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अगले दिन 7:40 बजे कलबुर्गी पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 06590 सितम्बर 6, 7 और 8 को 9:35 बजे कलबुर्गी से रवाना होगी और उसी दिन रात्रि 20:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेनें दोनों दिशाओं में येलहंका, धर्मावरम जंक्शन, अनंतपुर, गुंटकल जंक्शन, अदोनी, मंत्रालयम रोड, रायचूर, यादगीर और शाहाबाद स्टेशनों पर रुकेंगी। इस विशेष ट्रेन में कुल 18 कोच होंगे, एसी-3 टियर-2, स्लीपर क्लास-10, सामान्य द्वितीय श्रेणी-4, द्वितीय सामान सह ब्रेक वैन/विकलांग कोच-2 होंगे।

ट्रेन संख्या 06083/06084 कोचुवेली-एसएमवीटी बेंगलूरु-कोचुवेली साप्ताहिक एक्सप्रेस का 4 ट्रिप लगायेगी। दक्षिण रेलवे ने ओणम उत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 06083/06084 कोचुवेली-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल-कोचुवेली साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल को जारी रखने की अधिसूचना जारी की है।

ट्रेन संख्या 06083 कोचुवेली- एसएमवीटी साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल मंगलवार 3, 10, 17 और 24 सितम्बर को कोचुवेली से शाम 18:05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 10:55 बजे सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल पर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 06084 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल - कोचुवेली साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल प्रत्येक बुधवार 4, 11, 18 और 25 सितम्बर को दोपहर 12:45 बजे सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 06:45 बजे कोचुवेली पहुंचेगी। रास्ते में ट्रेनें क्विलोन, कयाणकुलम, मवेलीकारा, चेंगन्नूर, तिरुवल्ला, चेंगनास्सेरी, कोट्टायम, एर्नाकुलम टाउन, अलुवा, त्रिशूर, पलक्कड़, पोदनूर, तिरुपुर, इरोड, सेलम, जोलारपेट्टई, बंगारपेट और कृष्णराजपुरम में दोनों दिशाओं में रुकेंगी।

गुजरात में बारिश : वडोदरा शहर के कई हिस्से दूसरे दिन भी जलमग्न, सेना बुलाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। गुजरात के वडोदरा शहर के कई हिस्से लगातार दूसरे दिन भी जलमग्न रहे, जिससे स्थिति 'चिंताजनक' हो गई और राहत एवं बचाव कार्य के लिए सेना को बुलाया गया। राज्य सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य मंत्री और सरकार के प्रवक्ता ऋषिकेश पटेल ने बताया कि कुछ इलाकों में 10 से 12 फुट पानी भरा हुआ है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि भारी बारिश और अजवा बांध से पानी छोड़े जाने के कारण शहर से होकर बहने वाली विश्वामित्री नदी मंगलवार की सुबह 25 फुट के खतरे के निशान को पार कर गई। उन्होंने कहा, अजवा बांध का जलस्तर फिलहाल 213.8 फुट है। हमने गेट बंद कर दिए हैं, ताकि विश्वामित्री नदी में अतिरिक्त पानी न जाए। नदी फिलहाल 37 फुट पर बह रही है, जो खतरे के निशान से काफी ऊपर है। पानी शहर में घुस गया है और कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। मंत्री ने कहा कि सेना की चार टुकड़ियां फिलहाल शहर में राहत एवं बचाव कार्य में लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक समाधान के रूप में राज्य सरकार बाढ़ के पानी को विश्वामित्री नदी में छोड़ने के बजाय नर्मदा नहर में डालने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है।

जीतो नार्थ लेडीज विंग ने किए साध्वीश्री चैतन्यश्री के दर्शन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम यानी साधु-साध्वियों के दर्शन प्रोजेक्ट के तहत वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ सेंट्रल के तत्वावधान में महावीर धर्मशाला में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी के सान्निध्य में 'इनर हीलिंग यानी आंतरिक उपचार, अपने स्वास्थ्य को बदलने के लिए अपनी आध्यात्मिक शक्ति को अनलॉक करें' विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। साध्वीश्री ने आगम वाणी एवं तत्व चर्चा द्वारा बताया कि मानव की आध्यात्मिकता और शारीरिक स्वास्थ्य के बीच संबंध है। इनमें भावनात्मक रुकावटों को दूर करने और आत्म-उपचार को बढ़ावा देने की तकनीकें भी है। साथ ही आंतरिक शांति और संतुलन विकसित करने के लिए माइंडफुलनेस अभ्यास की क्षमता भी। कषायों पर नियंत्रण रखे। सकारात्मक विचारों में रहे। आठ कर्मों का विश्लेषण करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि यह भी हेतु है कर्म बंधन का इसलिए सदा 'मैं स्वस्थ हूँ' की अनुप्रेक्षा करे। साध्वीश्री ने आगाह करते हुए कहा कि अपेक्षा की उपेक्षा होती तब अहंकार उत्पन्न होता है। इसलिए अपेक्षाएं ना रखे। ख़ुद को पहचानें, आत्म विश्लेषण करें और सादगीमय जीवन यापन आंतरिक सुरक्षा देगा।

जीतो लेडीज विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यसमिति सदस्य मीना बडेरा, नीता गादिया, सूर्यकला सियाल, संगीता मुथा, अलका लोढ़ा, सिंपल हिंगड़, पवन रांका, वसंता पोकरना, सारिका गुंदेचा आदि उपस्थित थीं। संघ के मंत्री महेंद्र मुणोत ने सभी महिलाओं का स्वागत किया। महिला सदस्याओं ने साध्वीश्री को श्रमण आरोग्यम फॉर्म भेंट किए। साध्वी जी ने श्रमण आरोग्यम योजना की सराहना कर कहा जीतो संस्था मानव जाति हेतु अनेका अनेक आयामों पर सुदृढ़ता से कार्य कर रही है। सह-संयोजिका सुमन सिंघवी ने संचालन किया और उपाध्यक्ष व संयोजिका लक्ष्मी बाफ़ना ने धन्यवाद दिया।

यूपीआई लेनदेन का आकार 2028-29 तक 439 अरब पर पहुंचने की उम्मीद : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। यूपीआई पर कुल लेनदेन पिछले वित्त वर्ष के लगभग 131 अरब से बढ़कर 2028-29 तक 439 अरब होने की उम्मीद है और यह कुल खुदरा डिजिटल भुगतान का 91 प्रतिशत हिस्सा होगा। पीडब्ल्यूसी इंडिया की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। 'द इंडियन पेमेंट्स हैंडबुक- 2024-29' शीर्षक वाली रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के डिजिटल भुगतान परिदृश्य में पिछले आठ साल में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है और उद्योग का अनुमान है कि मात्रा में तीन गुना से अधिक विस्तार होगा। डिजिटल भुगतान 2023-24 के 159 अरब बढ़कर से वित्त वर्ष 2028-29 तक 481 अरब तक पहुंचने का अनुमान है। मूल्य के संदर्भ में भुगतान लेनदेन बाजार की वृद्धि दोगुनी होने की उम्मीद है। यह इस अवधि में 265 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 593 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच जाएगी।

वीडियो में कुछ लोग गायों को नदी में फेंकते दिखे, चार पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सतना/भाषा। मध्यप्रदेश के सतना जिले में एक दर्जन से अधिक गायों को उफनती नदी में धकेलने का एक वीडियो वायरल होने के बाद एक नाबालिग समेत चार लोगों को पकड़ा गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार दोपहर को नागौद थाना क्षेत्र के एक स्थान पर सतना नदी के किनारे से लगभग 15 गायों को उसमें धकेला दिया गया और उनमें से कुछ गाय डूब गईं। एक अधिकारी ने कहा कि अबतक सटीक संख्या का पता नहीं चल सका है।

नागौद थाने के प्रभारी अशोक पांडे ने कहा, मंगलवार शाम को बमहोर के पास रेलवे पुल के नीचे कुछ लोगों द्वारा गायों को सतना नदी में धकेलने का एक वीडियो सामने आया। एक पुलिस दल को मौके पर भेजा गया और मामला दर्ज कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान बेटा बागरी, रवि बागरी और रामपाल चौधरी के तौर पर हुई है और उन्हें मध्य प्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। यह कानून राज्य में गोहत्या पर रोक लगाता है। अधिकारी ने बताया कि साथ ही भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के संबंधित प्रावधानों के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। पांडे ने बताया कि एक अन्य संदिग्ध नाबालिग है और उसे हिरासत में लिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to Magadi road Metro station
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

आप पंजाब की किसान शाखा ने कंगना के खिलाफ किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लोकसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की किसान शाखा ने भाजपा सांसद कंगना रनौत की किसान आंदोलन के संबंध में की गई टिप्पणी के खिलाफ बुधवार को यहां प्रदर्शन किया और उनकी लोकसभा सदस्यता को समाप्त करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग की कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उन्हें तत्काल पार्टी से निष्कासित कर देना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने कंगना के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने सांसद पर आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने किसानों के प्रदर्शन के खिलाफ बात की है।

इस बीच, मोहाली में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम से इतर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि भाजपा को ''कंगना रनौत जैसे विवादास्पद सांसदों को नियंत्रित करना चाहिए जो अपने जहरीले बयानों से देश का माहौल खराब कर रहे हैं।''

प्रदर्शन में शामिल हुए आप विधायक जगतार सिंह दयालपुरा ने कहा, ''भाजपा को कंगना को पार्टी से निकाल देना चाहिए। वह समाज में नफरत के बीज बोने की कोशिश कर रही हैं और उनके द्वारा दिए गए ऐसे बयान पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।'' प्रदर्शनकारियों ने जैसे ही पंजाब में भाजपा के कार्यालय का घेराव करने के लिए आगे बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें अवरोधक लगाकर रोक लिया। पुलिस ने बाद में प्रदर्शनकारियों को कुछ देर के लिए हिरासत में ले लिया। मोहाली में मान ने कहा कि मंडी लोकसभा क्षेत्र के लोगों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय कंगना अपने निराधार बयानों के माध्यम से बार-बार पंजाबियों की भावनाओं को आहत कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा को ऐसे नेताओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। केवल यह बयान जारी कर देने से कि ये सांसदों के निजी विचार हैं पार्टी अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो जाती है।''

राज्यपाल के अभियोजन आदेश को चुनौती देने वाली सिद्दरामय्या की याचिका पर फिर सुनवाई शुरू करेगी अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय बृहस्पतिवार को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की उस याचिका पर फिर से सुनवाई शुरू करेगा, जिसमें उनके खिलाफ अभियोजन के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी की वैधता को चुनौती दी गयी है। राज्यपाल ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत प्रदीप कुमार एस पी, टी जे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों में सिद्दरामय्या के अभियोजन के लिए 16 अगस्त को मंजूरी दी थी। सिद्दरामय्या ने 19 अगस्त को राज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय ने जनप्रतिनिधियों के लिए गठित विशेष अदालत को निर्देश दिया कि वह इस मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ शिकायतों की सुनवाई अगली तारीख (29 अगस्त) तक स्थगित कर दे। याचिका में मुख्यमंत्री ने कहा कि मंजूरी आदेश बिना सोचे-समझे जारी किया गया, जो वैधानिक आदेशों का उल्लंघन है तथा मंत्रिपरिषद की सलाह सहित संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत बाध्यकारी है। इसमें कहा गया कि अदालती कार्यवाही पर इसके संभावित राजनीतिक प्रभाव के लिए उत्सुकता से नजर रखी जाएगी।

कांग्रेस ने सिद्दरामय्या का समर्थन किया है और इस मुद्दे पर उनके इस्तीफे की संभावना को खारिज कर दिया है तथा कहा है कि वह कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी। सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार (प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी) तथा कई वरिष्ठ मंत्रियों ने हाल ही में नयी दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी तथा राज्यपाल के आदेश तथा आगे अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा की।

वरिष्ठ नेता एस एम कृष्णा को अस्पताल से छुट्टी मिली

बेंगलूरु। वरिष्ठ राजनेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा को बुधवार को यहां एक निजी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जहां उन्हें सांस संबंधी समस्या के कारण भर्ती कराया गया था। मणिपाल अस्पताल ने एक बयान में कहा, पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री एस एम कृष्णा को आज मणिपाल अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें कई महीने पहले सांस संबंधी समस्याओं के चलते डॉ. सत्यनारायण मैसूर और गहन देखभाल टीम की देखरेख में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसमें कहा गया है कि समन्वित देखभाल और रोगी के प्रयासों से उन्हें छुट्टी मिली। साथ ही पूर्व विदेश मंत्री (92) के शीघ्र स्वस्थ होने और उनके घर पर और अधिक स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई है।

घटप्रभा नदी बाढ़ राहत पर त्वरित कार्रवाई : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

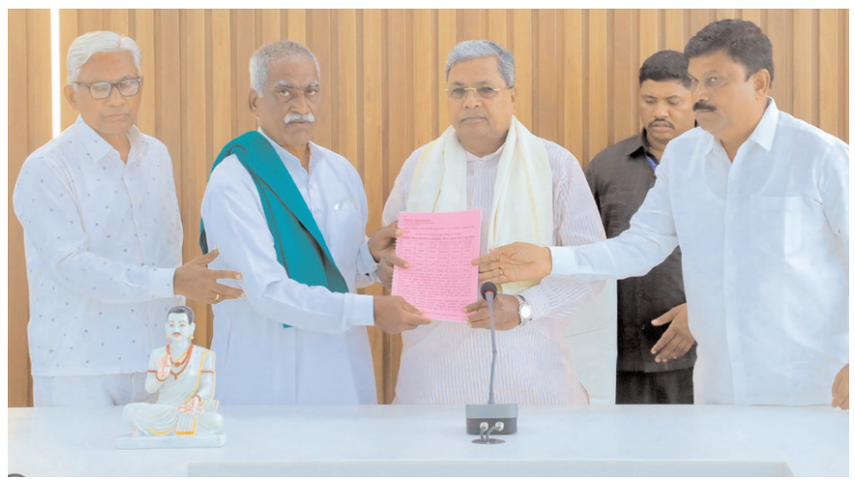

मुधोल तालुक के किसानों से मिलते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि घटप्रभा नदी से हर साल होने वाले नुकसान को लेकर वह संबंधित विभाग के मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे और तत्काल कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने मुधोल तालुक के किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा की, जो बुधवार को कृष्णा में उनसे मिले थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द से जल्द सिंचाई मंत्री, राजस्व मंत्री और लोक निर्माण विभाग मंत्री के साथ बैठक की जायेगी और इस संबंध में उचित निर्णय लिया जायेगा।

घटप्रभा नदी की बाढ़ के कारण पिछले चार वर्षों के दौरान कुल 34639 हेक्टेयर क्षेत्र में फसल की क्षति हुई है। 2019 में 15088 हेक्टेयर, 2021 में 7051 हेक्टेयर और 2024 में 12500 हेक्टेयर फसल नष्ट हुई। किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध किया कि उचित फसल मुआवजा और स्थायी मुआवजा प्रदान किया जाए। सिंचित गन्ने की फसल के लिए केन्द्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार प्रति हेक्टेयर रु. मुआवजे के रूप में 22,500 रुपये, जबकि अन्य फसलों के लिए रु. 17000 तय हुआ. इससे किसानों को किसी भी प्रकार का लाभ नहीं होगा। किसानों ने प्रार्थना पत्र दिया कि एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ के नियमों को ध्यान में रखे बिना सभी क्षतिग्रस्त खेतों का मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुरा और अन्य उपस्थित थे।

सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी के खिलाफ राष्ट्रपति को शिकायत कर सकते हैं कांग्रेस विधायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को संकेत दिया कि राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करके मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने संबंधी राज्यपाल थावरचंद गहलोत के निर्णय के खिलाफ शिकायत कर सकता है। परमेश्वर ने कहा कि इस संबंध में एक अस्थायी योजना बना ली गई है तथा अदालत में होने वाले घटनाक्रम पर गौर करने के बाद इस कदम पर निर्णय लिये जाने की संभावना है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री की पत्नी बी. एम. पार्वती को एमयूडीए द्वारा प्रतिपूरक भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं के संबंध में मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच शुरू करने और उन पर मुकदमा चलाने की 16 अगस्त को मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के आदेश की वैधता को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है, जिसने 19 अगस्त को अपनी कार्यवाही 29 अगस्त के लिए स्थगित कर दी तथा निचली अदालत से कहा था कि वह तब तक निजी शिकायतों पर विचार न करे।

परमेश्वर ने कहा, हमने राज्यपाल के आचरण के संबंध में चर्चा की है और कुछ निर्णय लिये हैं। हमारे प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने सूचित किया है कि पार्टी की ओर से पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, उसके बाद या उसी के साथ सभी विधायक और सांसद राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अदालत में होने वाले घटनाक्रम और निर्णयों को ध्यान में रखते हुए सभी विधायकों की राष्ट्रपति से मुलाकात के संबंध में एक अस्थायी योजना पर चर्चा की गई है। उन्होंने कहा, 'इकत्तीस अगस्त को राजभवन चलो' (कार्यक्रम) की योजना बनाई गई है... हम राज्यपाल से मिलने और उन्हें ज्ञापन सौंपने के विकल्प अख्तियार करना चाहते हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस विधायक और सांसद 31 अगस्त को राजभवन तक पैदल मार्च निकालेंगे और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे, जिसमें उनसे जनता दल (सेक्युलर) नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी के लंबित अनुरोधों पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया जाएगा।

राज्यपाल द्वारा वापस भेजे गए ग्यारह विधेयकों के बारे में मंत्री ने कहा, देखते हैं, कानूनी टीम पड़ताल कर रही है। हम सबसे पहले मांगे गए स्पष्टीकरण के बारे में उन्हें बताएंगे और फिर उन्हें वापस भेजेंगे। यदि वह फिर भी आश्वस्त नहीं होते हैं तो हमें राष्ट्रपति के पास जाना होगा। भाजपा द्वारा कथित एमयूडीए 'घोटाले' के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग की योजना पर परमेश्वर ने कहा कि अगर विपक्षी पार्टी इस पर आगे बढ़ती है, तो कांग्रेस भी उसी तरह से इसका मुकाबला करेगी। उन्होंने कहा, यह पार्टी स्तर पर किया जाना चाहिए या इंडिया' गठबंधन सहयोगियों को शामिल करके, (इस बारे में) पार्टी हाईकमान तय करेगा। अगर भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन करती है तो हम भी राष्ट्रीय स्तर पर इसका मुकाबला करेंगे।

उच्च न्यायालय में बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए आने वाली मुख्यमंत्री की याचिका पर परमेश्वर ने कहा कि उम्मीद है कि उच्च न्यायालय राज्यपाल के फैसले के पक्ष में दलीलों पर विचार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, सिद्दरामय्या की संलिप्तता के बारे में साक्ष्य होने चाहिए। अगर वे (साक्ष्य) हैं, तो उन्हें संज्ञान में लिया जा सकता है। जब कोई साक्ष्य नहीं है, जैसे- उनके हस्ताक्षर, उनका आदेश, संलिप्तता और नाम तथा यहां तक कि पंजीकरण में भी उनका नाम नहीं है। जब ऐसा मामला है, तो अदालत इन सभी चीजों पर गौर करेगी और इस पर फैसला करेगी। इस सवाल पर कि क्या पार्टी आलाकमान ने 29 अगस्त को अदालत में होने वाले घटनाक्रम के सिद्दरामय्या के खिलाफ जाने की स्थिति में अगले कदम के बारे में कोई चर्चा की है, मंत्री ने कहा, उन्होंने यही बताया है कि क्या होगा, इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता, एक बार चीजें (स्पष्ट) हो जाएं तो चर्चा करेंगे। सिद्दरामय्या के इस्तीफे की स्थिति में उनके मुख्यमंत्री बनने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा कि यह सवाल ही नहीं उठता और यह मुद्दा कभी चर्चा में नहीं आया। परमेश्वर ने हाल ही में दिल्ली की एक यात्रा के दौरान कांग्रेस नेतृत्व- मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी- के साथ एक लंबी चर्चा की थी। उन्होंने कहा, (मेरी) वरिष्ठता हो सकती है.....यह सच है कि राहुल गांधी ने मुझसे अलग से बात की, लेकिन क्या चर्चा हुई, इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता। मैं पार्टी का एक अनुशासित सिपाही हूं और समय-समय पर मुझे जो जिम्मेदारी दी गई, उसे पूरा किया है। उन्होंने (राहुल) मुझसे पार्टी के मामलों के बारे में बात की, इसके अलावा किसी और बात पर चर्चा नहीं हुई।

भाजपा द्वारा राज्यपाल को दी गई उस अर्जी के बारे में पूछे जाने पर जिसमें उसने कांग्रेस अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खरगे सहित उनके परिवार द्वारा संचालित एक ट्रस्ट को कथित तौर पर भूमि आवंटित करने के मामले में मंत्री एवं मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे को बर्खास्त करने की मांग की है, परमेश्वर ने कहा, राज्यपाल को इसकी जांच करने दें और अगर कुछ भी अवैध है, तो उन्हें आवश्यक कार्रवाई करने दें। वह ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। भूमि आवंटन में खरगे परिवार द्वारा किसी भी तरह के प्रभाव से इंकार करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति निर्धारित शर्तों और मानदंडों के अनुसार भूमि की मांग कर सकता है। उन्होंने कहा, भूमि निर्धारित दर पर खरीदी जा सकती है, कम दर पर नहीं। उन्होंने कहा कि हर सरकार के कार्यकाल के दौरान आरोप लगाए जाते हैं, मंत्री ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जब निराधार आरोप लगाए जाते हैं, तो उनका खंडन किया जाना चाहिए और उन्हें निराधार साबित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम उस प्रक्रिया में हैं।

सुबह की सैर के दौरान आवारा कुत्तों के हमले में बुजुर्ग महिला की मौत

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में सुबह की सैर के दौरान 76 वर्षीय बुजुर्ग महिला की बुधवार को आवारा कुत्तों के हमले में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, राजदुलारी सिन्हा पर सुबह करीब 6.30 बजे जलाहल्ली स्थित एयरफोर्स ईस्ट 7वें आवासीय शिविर के मैदान में कम से कम 10-12 कुत्तों ने अचानक हमला कर दिया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गंगम्मा गुडी थाने में इस सिलसिले में एक मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि सिन्हा वायुसेना के एक कर्मी की सास हैं और कुत्तों के हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं और अस्पताल ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गई। एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर खुद को घटना का चश्मदीद बताते हुए कहा, ''आज सुबह का दृश्य दुखद है। दर्जन भर आवारा कुत्तों ने एक महिला पर हमला कर दिया।'' उन्होंने कहा कि यह घटना जलाहल्ली स्थित एयरफोर्स मैदान की है।

उन्होंने कहा, मैं उनकी कोई मदद नहीं कर सका। ऊंची दीवार होने के कारण मैं उन्हें बचा नहीं सका। मैंने मदद की गुहार लगाकर कुछ लोगों को बुलाया और वे उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन (बुजुर्ग महिला की) जान नहीं बच पाई।

भारत सरकार
कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वीं मंज़िल,
प्लाट झ-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुड़गाँव, हरियाणा - 122050.
ईमेल: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना

कंपनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और
कंपनी (कंपनी रजिस्टर से कंपनियों का
नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में

सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PCE/STK-2/248(2)/2024-25/754 दिनांक : 13/08/2024

संदर्भ:

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (23) कंपनियों के नाम कर्नाटक राज्य से हटाने के मामले में:

S No.	Work Item	CIN	Company Name
1	AA9581268	U62012KA2023PTC171842	क्रिस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
2	AA9440575	U74999KA2023PTC169956	एएनटीआर बिजनेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
3	AA9580556	U74999KA2019PTC121334	नेस्टासिस्ट सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड
4	AA9667398	U72900KA2022PTC162372	विटियर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
5	AA9323034	U15400KA2022PTC160014	केलाडी डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड
6	AA9542192	U24303KA2021PTC154899	केयरक्लास मेडिकल डिवाइसेज प्राइवेट लिमिटेड
7	AA9417038	U80903KA2022PTC165925	प्रोफिसिएंट लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड
8	AA9228673	U85100KA2021PTC153992	केयरहेवेन प्राइवेट लिमिटेड
9	AA9466730	U29150KA1990PTC010853	फ़ासिन फ़ैब्स प्राइवेट लिमिटेड
10	AA9417670	U65992KA1989PTC010331	पाई चिट्स प्राइवेट लिमिटेड
11	AA9322929	U65993KA1995PTC034482	ट्रिनोवा होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
12	AA9440032	U72900KA2022PTC162630	हायरकोडर प्राइवेट लिमिटेड
13	AA9444745	U72900KA2021PTC144914	कॉर्डन एन्क्रिप्शन प्राइवेट लिमिटेड
14	AA9605874	U31907KA2019OPC130762	मिडशिप स्पोर्ट (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
15	AA9130084	U72900KA2019FTC124590	प्रोनिक्सा सिस्टम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
16	AA9343375	U52609KA2019PTC124859	रेकोनालिटिक्स ऑनलाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
17	AA9132287	U72200KA2018PTC117041	अधिइपा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
18	AA9349632	U15100KA2018PTC110580	ब्लूवॉक क्रिएशन्स प्राइवेट लिमिटेड
19	AA9319695	U74900KA2016PTC190419	हगफिश मुंबई प्राइवेट लिमिटेड
20	AA9349473	U74900KA2014PTC075641	ओडिनेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
21	AA9294640	U15531KA2010PTC055417	आरएसबी डिस्टिलरीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
22	AA9546431	U70109KA2006PTC039747	एमजी एंड डी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड
23	AA9156063	U62099KA2023PTC179627	ई एंड ए टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
24	AA9617908	U41001KA2023PTC173868	एमिसू कंस्ट्रक्शन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
25	AA9676117	U80900KA2022PTC168178	ट्रस्टवेल्थी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड
26	AA9472922	U72200KA2022PTC169128	टेक सीक्वेंस प्राइवेट लिमिटेड
27	AA9520724	U72200KA2021PTC152354	गौरीक इंडिया इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड
28	AA9196827	U26990KA2022PTC166281	उर्जास्वे रेडी मिक्स कंक्रीट प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कंपनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कंपनियों के नाम कंपनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कंपनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कंपनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कंपनी ने निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कंपनी के रूप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कंपनी रजिस्ट्रार से अपना / अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।

3. तदनुसार, कंपनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कंपनियों के नामों को कंपनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है।

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कंपनी को कंपनी रजिस्ट्रार से कंपनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

हरिहर साहू
रजिस्ट्रार
प्रसंस्करण त्वरित कॉर्पोरेट निकास केंद्र

CBC 07123/11/0371/2425

रेणुकास्वामी हत्याकांड

अभिनेता दर्शन और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत नौ सितंबर तक बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां एक अदालत ने रेणुकास्वामी हत्याकांड मामले में आरोपी कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा, उसकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत नौ सितंबर तक बढ़ा दी है। दर्शन और पवित्रा समेत सभी 1% आरोपियों की न्यायिक हिरासत की अवधि बुधवार को समाप्त होने के बाद उन्हें बेंगलूरू और तुमकुरु जेलों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। न्यायिक हिरासत की अवधि पुलिस द्वारा दायर रिमांड अर्जी के बाद बढ़ाई गई है।

बेंगलूरु के 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने मंगलवार को दर्शन को बेल्लारी जेल में स्थानांतरित करने की अनुमति दे दी। दर्शन फिलहाल बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में बंद हैं। दर्शन की वह तस्वीर रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी, जिसमें वह एक आदतन अपराधी समेत तीन अन्य लोगों के साथ जेल परिसर में एक कुर्सी पर बैठकर और हाथ में कॉफी का मग लेकर धूम्रपान करते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को लेकर काफी विवाद हो रहा है।

अदालत ने हत्या मामले के अन्य सह-आरोपियों को राज्य की विभिन्न जेलों में स्थानांतरित करने की भी अनुमति दे दी है। तस्वीर में दर्शन आराम से कुर्सी पर बैठे हुए और सिगरेट एवं कॉफी मग पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा, जेल से वीडियो कॉल पर एक व्यक्ति से बात करते हुए दर्शन का एक कथित वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दर्शन को बेल्लारी जेल, पवन, राघवेंद्र और नंदीश को मैसुरु जेल, जगदीश और लक्ष्मण को शिवमोगा जेल, धनराज को धारवाड़ जेल, विनय को विजयपुरा जेल, नागराज को कलबुर्गी/गुलबर्गा जेल और प्रदोष को बेलगावी जेल में स्थानांतरित किया जाएगा।

वायुसेना के सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंस्टीट्यूट और पीईएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय वायुसेना के सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंस्टीट्यूट और मंड्या के पीईएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग ने बुधवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर अपने सहयोग को औपचारिक रूप दिया। यह समझौता संयुक्त अनुसंधान एवं विकास पहल के जरिए नवाचार को बढ़ावा देने तथा इंजीनियरिंग शिक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। गौरतलब है कि सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंस्टीट्यूट, भारतीय वायुसेना की एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास सुविधा है, जो सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों को उन्नत करने तथा वायुसेना की परिचालन आवश्यकताओं को सहायता प्रदान करने के लिए समर्पित है।

पीईएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान है, जो गुणवत्तापूर्ण इंजीनियरिंग शिक्षा प्रदान करने और अनुसंधान और सहयोग के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर एसडीआई के कमांडेंट एयर वाइस मार्शल केएन संतोष ने कहा, 'पीईएससीई के साथ मिलकर काम करना अकादमिक/रक्षा इंजीनियरिंग अनुसंधान एवं विकास सहयोग के उद्देश्य से एक और महत्त्वपूर्ण मुकाम है। इस सहयोग के माध्यम से एसडीआई का लक्ष्य प्रशिक्षुओं को परियोजनाओं के माध्यम से एवियोनिक्स सॉफ्टवेयर का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा, 'इस समझौता ज्ञापन से एसडीआई को नई तकनीक के उपयोग की मांगों को पूरा करने के लिए नए सॉफ्टवेयर उत्पादों/प्रक्रियाओं को डिजाइन, इंजीनियर और विकसित करने में सहायता मिलेगी। यह आत्मनिर्भर भारत और विजन 2047 की भावना के अनुरूप है।' पीईटी के अध्यक्ष केएस विजय आनंद ने कहा, 'हम इस साझेदारी से अपने छात्रों और शिक्षकों के लिए उत्पन्न होने वाले अवसरों को लेकर उत्साहित हैं।

राज्यपाल बागड़े ने आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का मजबूत तंत्र विकसित करने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का मजबूत तंत्र विकसित करने का आह्वान किया है। बागड़े ने बुधवार को पश्चिमी सीमा पर आंतरिक सुरक्षा समन्वय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सीमाओं पर चौकसी जितनी जरूरी है, उतना ही आवश्यक यह है कि हमारे यहां आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी रहे। उन्होंने सीमाओं पर चौकसी करते हुए रक्षा करने के साथ आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का मजबूत तंत्र विकसित करने के निरंतर प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने सीमा पर रहने वाले परिवारों से बातचीत करके उनके सहयोग से प्रयास भी किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने सीमा पर रहने वाले परिवारों की सराहना की तथा कहा कि सीमाओं पर देश की सुरक्षा की दृष्टि से उनकी भी महती भूमिका है। उन्होंने सीमावर्ती जिलों में विकास के लिए परस्पर सहयोग बनाए रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकारियों की संयुक्त स्तर पर नियमित बैठक किए जाने और आंतरिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर निरंतर संवाद की आवश्यकता जतायी ताकि भविष्य की किसी भी अप्रिय स्थितियों से निपटा जा सके। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों के नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए भी प्रभावी रणनीति बनाकर कार्य किए जाने पर जोर दिया।

बागड़े बुधवार को जयपुर से हेलीकॉप्टर से पाकिस्तान से सटी राजस्थान की पश्चिमी सीमा स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सांचू पोस्ट पहुंचे। उन्होंने सीमा क्षेत्र का गहन निरीक्षण करते हुए सीमा क्षेत्र की चुनौतियों के बारे में भी जानकारी ली। बीकानेर जिले के इस सीमा क्षेत्र का दौरा करते हुए उन्होंने वहां तैनात बीएसएफ के जवानों से संवाद करते हुए विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों में भी निरंतर मुस्तैद रहकर देश की रक्षा करने की उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण की विशेष रूप से सराहना की।

राज्यपाल बागड़े को सांचू सीमा पहुंचने पर भारत-पाकिस्तान के मध्य 1965 और 1971 के दौरान यहां हुई लड़ाइयों के बारे जानकारी दी गयी। राज्यपाल ने भारतीय सेना के युद्ध के इतिहास और सैनिकों के पराक्रम की दृष्टि से सांचू को महत्वपूर्ण बताते हुए भारतीय सेना के जवानों के शौर्य और पराक्रम को नमन किया। उन्होने बाद में वहां 'वार म्यूजियम' भी देखा। राज्यपाल बागड़े ने सीमा क्षेत्र पर बीएसएफ के जवानों से संवाद करते हुए कहा कि सैनिक शब्द ही मन में जोश जगाने वाला है। उन्होंने कहा, सैनिक हमारे देश के सुरक्षा प्रहरी ही नहीं हैं बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता व एकता के प्रतीक भी हैं।

राजग सरकार ने ईडी का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं की साख खराब करने के लिए किया : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं की साख खराब करने के लिए किया है। कांग्रेस नेता गहलोत ने इस मुद्दे को लेकर 'एक्स' पर कहा, ईडी ने हमारी नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से लम्बी पूछताछ कर उनकी छवि खराब करने का प्रयास किया लेकिन ईमानदारी एवं सत्य के सामने ईडी को झुकना ही पड़ा।

उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, तथा मनीष सिसोदिया और भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता समेत तमाम ऐसे विपक्षी राजनीतिक दलों के नेता हैं जिन्हें अदालत ने जमानत देते हुए ईडी को फटकार लगाई।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, कुछ नेताओं की तो गिरफ्तारी को अवैध बताया गया तो कुछ को जेल में रखने की मंशा को गलत माना गया और ईडी को निष्पक्षता से काम करने की हिदायत भी दी। गहलोत के अनुसार, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन नेताओं को केवल जमानत के लिए भी उच्चतम न्यायालय तक जाना पड़ा जबकि शीर्ष अदालत का प्राथमिक काम जमानत देना नहीं है।

उन्होंने अपने पोस्ट में आरोप लगाया, यह दिखाता है कि कैसे केंद्र की राजग सरकार ने ईडी का दुरुपयोग केवल विपक्षी नेताओं को जेल में डालकर राजनीतिक प्रक्रिया को बाधित करने एवं विपक्षी नेताओं की साख खराब करने के लिए किया है। गहलोत ने ईडी के अधिकारियों से कहा कि उन्हें सोचना चाहिए कि उनकी जवाबदेही भारत के संविधान और उनके वेतन के लिए कर देने वाली जनता के प्रति है या केवल भाजपा के नेताओं के प्रति है। कांग्रेस नेता ने कहा, देश में सरकारें तो आती-जाती रहेंगी पर इन प्रमुख एजेंसियों को अपनी छवि का ख्याल रखना चाहिए।

बोरवेल की मिट्टी ढहने से एक व्यक्ति की मौत

जयपुर। राजस्थान में दौसा के लालसोट में बुधवार को बोरवेल की मिट्टी ढहने से उसमें फंसे एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना बुधवार सुबह लालसोट के राणौली गांव में हुई। उन्होंने बताया कि खेत में बोरवेल के काम के दौरान मिट्टी धंसने से रामनिवास मीणा 30 फुट गहराई में फंस गया और फिर घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन के कर्मी मौके पर पहुंचे। जेसीबी की मदद से करीब डेढ़ घंटे के अभियान के बाद रामनिवास को बाहर निकाला गया। हालांकि अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि भारी बारिश के कारण मिट्टी धंस गई, जिसके कारण यह हादसा हुआ। रामनिवास के भाई छाजूलाल ने बताया कि पीड़ित को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया और अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया।

राजस्थान में मेरी जान को खतरा हुआ तो सचिन पायलट जिम्मेदार होंगे : राधा मोहन दास अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.co

उदयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि प्रदेश में रहने के दौरान अगर उनकी जान को कोई खतरा हुआ तो इसके लिए कांग्रेस नेता सचिन पायलट जिम्मेदार होंगे। अग्रवाल ने अपने बयानों को लेकर मंगलवार को राजस्थान में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही। अग्रवाल ने कहा, अगर राजस्थान में रहते हुए मेरी जान को जरा सा भी खतरा हुआ तो मैं इसके लिए सिर्फ सचिन पायलट को जिम्मेदार मानूंगा।

पायलट समेत कांग्रेस नेताओं के खिलाफ अग्रवाल की टिप्पणियों व उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा,

राजनीति में अपनी विरोधी ताकतों को हम कमजोर नहीं बताएंगे तो क्या उन्हें 'दारा सिंह पहलवान' बताएंगे? उन्होंने कहा कि सचिन पायलट का एक समय था जो खत्म हो गया है और अब राजस्थान में भाजपा का राज है।

कांग्रेस नेताओं के खिलाफ अग्रवाल के बयानों पर विरोध जताते हुए युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उदयपुर में हवाई अड्डे के बाहर अग्रवाल को काले झंडे दिखाए। अग्रवाल ने कहा कि अगर ऐसी हरकत दोबारा होती है, तो भाजपा कार्यकर्ताओं की भी अपनी सीमाएं हैं। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उनकी कार के आगे बैठकर उन्हें काले झंडे दिखाए और उनके खिलाफ नारेबाजी की। अग्रवाल की कार पर काली स्याही भी फेंकी गयी। कांग्रेस विधायक और युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया ने जयपुर में कहा कि अग्रवाल के खिलाफ विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक वह कांग्रेस नेताओं के खिलाफ बयानों के लिए माफी नहीं मांग लेते।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जयपुर सहित पूरे राजस्थान में अग्रवाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए। हाल ही में अपने टोंक दौरे के दौरान अग्रवाल ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर निशाना साधते हुए कहा था कि उन्होंने दंगों की राजनीति की। अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस नेता सत्ता के भूखे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि पायलट का समय अब चला गया है।

राज्यपाल बागड़े ने सीमांत क्षेत्र गोडू के पीएमविद्यालय में विद्यार्थियों से किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को बीकानेर जिले के सीमांत क्षेत्र के गोडू गांव के पीएमराजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों से संवाद किया। बागड़े ने इस दौरान बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए प्रयास करने का आह्वान किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों सहित अन्य ज्ञानवर्धक पुस्तकें भी पढ़ने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चे पूर्ण आत्मविश्वास के साथ परीक्षाएं दें और सकारात्मकता के साथ अच्छे अंक हासिल करें। उन्होंने शिक्षकों को विद्यालय स्तर पर स्पर्धा परीक्षाएं आयोजित करवाने के लिए भी निर्देश दिए।

राज्यपाल ने बच्चों को खेल गतिविधियों में भाग लेने और सूर्य नमस्कार सहित अन्य व्यायाम करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि इससे शरीर मजबूत होगा और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने अभिभावकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को पढ़ाई के अधिक से अधिक अवसर दें, जिससे बच्चों का भविष्य बेहतर हो और वे अपने गांव तथा शहर का नाम रोशन कर सकें।

इस दौरान उन्होंने कक्षा कक्षों का अवलोकन किया और राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में चयनित स्कूल के विद्यार्थियों से मुलाकात की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गोडू के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने महिला वार्ड में भर्ती मरीजों से बातचीत कर अस्पताल की सुविधाओं की जानकारी भी ली। राज्यपाल ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, लैब और दवा केंद्र का निरीक्षण किया और निशुल्क दवा, जांच सहित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक लिया।

माउंट आबू और गंगानगर में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विभिन्न हिस्सों में मानसून की बारिश जारी है और बीते चौबीस घंटे में माउंट आबू तथा गंगानगर में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश अभी जारी रहेगी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बुधवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक, बीते 24 घंटे में राज्य में अनेक स्थानों पर बादलों की गरज के साथ वर्षा हुई। इस दौरान गंगानगर तथा सिरोही जिले में कहीं कहीं भारी वर्षा हुई। सबसे अधिक 86.2 मिलीमीटर बारिश गंगानगर के चूनावढ़ में हुई। माउंट आबू में 88.2 मिमी., गंगानगर के केसरीसिंहपुर में 73 मिमी और गजसिंहपुर में 67 मिमी. बारिश हुई। उदयपुर, सिरोही, डूंगरपुर, जालोर, बाड़मेर, बांसवाड़ा तथा अलवर में कई जगह मध्यम दर्ज की बारिश हुई।

दक्षिणी राजस्थान के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र आज धीरे-धीरे पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़कर गुजरात के उत्तरी भागों के ऊपर पहुंच गया है। इसके अगले 48 घंटों में सौराष्ट्र, कच्छ क्षेत्र की ओर बढ़ने की प्रबल संभावना है।

मौसम केंद्र के अनुसार एक नए तंत्र के प्रभाव से उदयपुर, जोधपुर संभाग के कुछ भागों में अगले चौबीस घंटों के दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ रुक-रुक कर मध्यम दर्जे की बारिश और कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

बीकानेर, भरतपुर, जयपुर, अजमेर संभाग के कुछ भागों में भी अगले एक-दो दिन बादलों की गरज के साथ मध्यम से कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में 31 अगस्त से फिर से बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने तथा सितंबर के प्रथम सप्ताह में भारी बारिश होने की संभावना है।

राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना पोर्टल की हुई शुरूआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में किसानों और पशुपालकों की समृद्धि और कल्याण के लिये कृतसंकल्प है और इसी सोच को साकार करने के लिये राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना पोर्टल की शुरूआत की गई है। नेहरू सहकार भवन में आयोजित समारोह में पोर्टल की शुरूआत करते हुये दक ने कहा कि देश में पहली बार राजस्थान प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत गोपालक किसान परिवार को एक लाख रुपये तक का अल्पकालीन ब्याज मुक्त ऋण एक वर्ष की अवधि के लिये उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि गोपालक किसान द्वारा ऋण का समय पर चुकारा करने पर किसी प्रकार का ब्याज नहीं देना होगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि गोपालक किसान परिवारों को गाय/भैंस हेतु शैड, खेली निर्माण एवं चारा/बांटा सहित आवश्यक उपकरण खरीदने के लिये पैसों की कमी रहती थी, जिससे वह गोपालन से मिल सकने वाला पूरा लाभ नहीं ले पाता था। इसी को ध्यान में रखते हुये गोपालक किसान को ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

दक ने कहा कि ऋण वितरण को पारदर्शी बनाने तथा गोपालक किसान परिवार को ऋण प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसलिये ऋण आवेदन से लेकर स्वीकृति की प्रक्रिया को ऑनलाइन माध्यम से संपादित किया जायेगा। गोपालक किसान ई-मित्र केन्द्र या संबंधित ग्राम सेवा सहकारी समिति के माध्यम से ऋण के लिये आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा कि गोपालक किसान को प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति का सदस्य होना अनिवार्य है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रदेश के अधिकाधिक गोपालक किसानों को गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण उपलब्ध कराने के लिये दुग्ध संघ एवं केन्द्रीय सहकारी बैंकों के संयुक्त तत्वाधान में शिविरों का आयोजन किया जायेगा ताकि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित किये गये पांच लाख किसानों को ऋण उपलब्ध कराने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों से कहा कि योजना का अधिकाधिक लाभ पहुंचाने के लिये योजना का प्रचार-प्रसार किया जावे। इस अवसर पर शासन सचिव, सहकारिता श्रीमती शुचि त्यागी, रजिस्ट्रार, सहकारिता श्रीमती अर्चना सिंह, प्रबंध निदेशक आरसीडीएफ श्रीमती सुषमा अरोडा, अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) राजीव लोचन शर्मा, प्रबंध निदेशक अपेक्स बैंक संजय पाठक सहित सहकारिता विभाग तथा आरसीडीएफ और सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

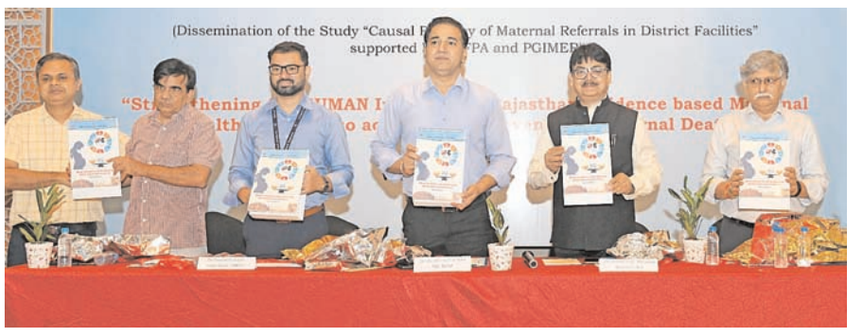

मातृ स्वास्थ्य पर अध्ययन आधारित अनुभव किए साझा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राजस्थान, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ एवं डवलपमेंट पार्टनर यूएनएफपीए के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश में 12 जिलों के जिला अस्पतालों में मातृ स्वास्थ्य विषय पर हुए अध्ययन के निष्कर्षों एवं साक्ष्य आधारित अनुभवों को साझा करने के लिए बुधवार को राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों के अधीक्षकों, प्रमुख चिकित्सा अधिकारियों तथा स्त्री रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला में लेबर रूम प्रोटोकाल विषय पर फ्लिप बुक, पीएनसीईपीएमएसएमए विषय पर पोस्टर एवं फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज पर अक्सर पूछे जाने वाले सवालों पर फोल्डर का विमोचन किया गया। साथ ही लक्ष्य कार्यक्रम के तहत जिलों में कार्यरत कार्मिकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के सुचारू क्रियान्वयन से सुरक्षित प्रसव एवं धात्री महिला तथा नवजात शिशु की बेहतर देखभाल सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने प्रसव के लिए चिकित्सा संस्थान स्तर पर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए अनावश्यक रैफरल नहीं करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रसव का उचित प्रबंधन कर मातृ मृत्यु दर में काफी हद तक कमी लाना संभव है। उन्होंने बताया कि एनीमिया मुक्ति के लिए हर मंगलवार को शक्ति दिवस कार्यक्रम का सफल संचालन कर आयरन फोलिक की गोलियां वितरित की जा रही हैं। निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत राणावत ने पीजीआई के विषय विशेषज्ञों द्वारा किए गए अध्ययन के अनुभवों एवं पायी गयी कमियों को दूर करने के लिए अपनाये जाने वाले सुधारात्मक उपायों को ग्राम स्तर तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

सभी टोल्स पर फास्टैग चालू करें, रेट बोर्ड लगाएं : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को आरएसआरडीसी बोर्ड मिंटिग की अध्यक्षता करते हुये अधिकारियों को प्रदेश के सभी टोल बूथों पर टोल कलेक्शन फास्टैग से करवाने तथा सभी स्थानों पर रेट बोर्ड लगवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि टोल बूथों पर फास्टैग लागू होने से आमजन को राहत मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को आरएसआरडीसी बोर्ड मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए टोल नीति में सुधार के महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि टोल नियमों में किये गये इन महत्वपूर्ण परिवर्तनों से टोल संवेदको में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी तथा टोल टैक्स एकत्रण की प्रक्रिया नियमित एवं सुचारू होने से राजस्व में वृद्धि होगी।

वर्तमान में लागू टोल पॉलिसी के कुछ बिन्दओं को समय की आवश्यकता के अनुरूप संशोधित किया गया है।

वर्तमान में लागू संवेदक का रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया समाप्त कर दी गई जिससे अधिक संख्या में संवेदक निविदा प्रक्रिया में भाग ले सकेगें। टोल की कान्ट्रेक्ट की अवधि 2 वर्ष से घटाकर 1 वर्ष कर दी गयी है। जिसे अधिकतम 3 माह बढ़ाया जा सकेगा। नियमों की पालना नहीं करने पर रू 1 लाख प्रति त्रुटि की पेनेल्टी का प्रावधान रखा गया है। यह दस्तावेज एनएचआई के नियमों के अनुरूप तैयार किया गया है। टोल रोड पर टोल टैक्स एकत्र करने हेतु नयी आरएफक्यू कम आरएफपी दस्तावेज तैयार किये गये हैं।

झारखंड के हित में भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया, झामुमो छोड़ दूंगा: चंपई सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने बुधवार को कहा कि उन्होंने झारखंड के हित में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का निर्णय लिया है और वह झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से एवं मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

वरिष्ठ आदिवासी मंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि कि वह किसी भी स्थिति से डरे हुए नहीं हैं। उन्होंने इस सप्ताह के प्रारंभ में नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री और पूर्व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह से मुलाकात की थी और भाजपा में शामिल होने

की घोषणा की थी। वह बुधवार को अपने बेटे के साथ रांची पहुंचे जहां बड़ी संख्या में उनके समर्थकों ने उनका स्वागत किया।

चंपई सोरेन ने यहां कहा, ''फैसला (भाजपा में शामिल होने का) झारखंड के हित में है ..... मुझे संघर्षों की आदत है।''

जब उनसे इस आरोप के बारे में पूछा कि उन पर नजर रखी जा रही है, तब पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह किसी भी स्थिति से भयभीत नहीं हैं। उन्होंने संकेत दिया कि बुधवार को ही वह झामुमो और मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

इससे पहले, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दिन में आरोप लगाया था कि चंपई सोरेन की पिछले पांच महीनों से 'उनकी अपनी सरकार' की पुलिस ही जासूसी कर रही थी।

शर्मा ने दावा किया था कि चंपई सोरेन के करीबी लोगों ने दिल्ली के एक होटल में झारखंड पुलिस की विशेष शाखा के दो उप निरीक्षकों (एसआई) को पूर्व मुख्यमंत्री पर नजर रखते हुए पकड़ा था। चंपई सोरेन ने दो फरवरी को झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उससे बस थोड़े समय पहले उनके पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन ने धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने से पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था।

मंगलवार को चंपई सोरेन ने कहा था कि वह आदिवासी पहचान एवं अस्तित्व को बचाने के लिए भाजपा में शामिल हो रहे हैं जो बांग्लादेश से 'बड़े पैमाने पर' घुसपैठ के कारण राज्य के संथाल परगना क्षेत्र में दांव पर लगी हुई है।

हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री पद संभालने वाले झामुमो के वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन ने कहा कि केवल भाजपा ही आदिवासियों के मुद्दे पर गंभीर दिखाई देती है, जबकि अन्य वोट बैंक की राजनीति में लिप्त हैं।

पुलिस, नेताओं, गैंगस्टर के बीच साठगांठ के कारण प. बंगाल में कानून-व्यवस्था ध्वस्त: विजयवर्गीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर (महाराष्ट्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के मंत्री और भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उनके राज्य में ''बिगड़ती'' कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर हमला किया और आरोप लगाया कि प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा करने में विफल रहा है।

नागपुर की यात्रा दौरान यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि पुलिस, नेताओं और गैंगस्टर के बीच गठजोड़ के कारण बंगाल में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने कहा, ''जब पुलिस, नेता और गैंगस्टर का गठजोड़ हो तो कानून और व्यवस्था कैसे कायम रह सकती है? आरोपी पुलिस की गाड़ियों में यात्रा करते देखे जाते हैं। जिस राज्य की मुख्यमंत्री महिला हैं, वहां महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।'' कोलकाता के सरकारी आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार-हत्या मामले में पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर विपक्ष हमलावर है। इस घटना के बाद देश भर में विरोध प्रदर्शन भी शुरू हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजयवर्गीय ने ममता बनर्जी को 'तानाशाह' बताया। उन्होंने कहा, ''अगर हिटलर के बाद कोई तानाशाह है, तो वह ममता बनर्जी हैं। न खाता न बही, जो ममताजी कहें वही सही...वहां चीजें इसी तरह चलती हैं।'' विजयवर्गीय ने महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की महायुति सरकार की सफलता के बारे में भी बात की।

बंगाल में जूनियर डॉक्टरों ने काम पर लौटने की ममता बनर्जी की अपील ठुकराई

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों ने काम पर लौटने की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अपील को बुधवार को खारिज कर दिया। राज्य के जूनियर डॉक्टर एक महिला डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में पिछले 20 दिनों से काम बंद कर हड़ताल कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फोरम के एक सदस्य ने कहा कि जब तक आरजी कर अस्पताल की पीड़िता महिला डॉक्टर को न्याय मिलने समेत उनकी सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वे आंदोलन वापस नहीं लेंगे। जूनियर डॉक्टरों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य डॉ. संदीप घोष को स्वास्थ्य सेवाओं से निलंबित करने तथा कोलकाता पुलिस आयुक्त के खिलाफ भी ऐसी ही कार्रवाई की मांग की। डॉक्टरों के फोरम ने अपनी मांगों को लेकर कोलकाता के उत्तरी भाग में श्यामबाजार इलाके में एक रैली भी निकाली। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फोरम के सदस्य ने कहा, ''हमें यह जानकर खुशी हुई कि मुख्यमंत्री हमारे मुद्दे का समर्थन कर रही हैं। हम काम पर लौटना चाहते हैं लेकिन अभी यह संभव नहीं है क्योंकि हमारी मांगें तक पूरी नहीं हुई हैं। '' तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद द्वारा आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, ''मैं शुरू से ही डॉक्टरों के प्रति सहानुभूति रखती आ रही हूं, क्योंकि वे अपने सहयोगी के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। हमने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि घटना को इतने दिन बीत चुके हैं। हम आपका दर्द समझते हैं। लेकिन, कृपया अब काम पर वापस लौट आइए, क्योंकि मरीज बेहद परेशान हैं।'' आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कॉलेजों में चुनाव, चिकित्सा सुविधाओं की सभी निर्णय लेने वाली समितियों में जूनियर डॉक्टरों और छात्रों की भागीदारी और कार्यस्थलों पर सुरक्षा उपायों की मांग की है।

चंपई सोरेन पर पांच महीने से उनकी अपनी ही सरकार रख रही थी नजर : हिमंत शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को आरोप लगाया कि झारखंड के मंत्री चंपई सोरेन पर पिछले पांच महीने से उनकी अपनी ही सरकार की पुलिस नजर रख रही थी।

शर्मा ने कहा कि सोरेन के करीबी लोगों ने दिल्ली के एक होटल में झारखंड पुलिस की विशेष शाखा के दो उप निरीक्षकों (एसआई) को पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन पर नजर रखते हुए पकड़ा था। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम सभी जानते हैं कि चंपई सोरेन झारखंड सरकार में मंत्री हैं, वह पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं। उन्होंने 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है लेकिन उन्हें अभी इस्तीफा देना है एवं वह फिलहाल मंत्री बने हुए हैं, परंतु उनकी अपनी ही सरकार उन पर नजर रखी हुई है।'' असम के मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''जब उन्होंने भाजपा के साथ बातचीत शुरू भी नहीं की थी, तब भी पांच महीनों से उन पर नजर रखी जा रही थी।'' उन्होंने दावा किया कि दो उपनिरीक्षक सोरेन की दिल्ली यात्राओं के दौरान उनके पीछे-पीछे जाते थे, ये दोनों उसी उड़ान से आते-जाते थे,जिस उड़ान से सोरेन आते-जाते थे और उसी पंचसितारा होटल में ठहरते थे और जहां वह ठहरते थे। शर्मा ने कहा, '' चंपई सोरेन के लोगों ने मंगलवार को दिल्ली में इन दोनों को देख लिया और उन्हें पकड़ लिया। प्रारंभ में उन्होंने पत्रकार होने का दावा किया लेकिन बाद में उन्होंने विशेष शाखा के उपनिरीक्षक होने की बात कबूली। उन्हें वहां चाणक्यपुरी थाने के हवाले कर दिया गया एवं सोरेन ने प्राथमिकी भी दर्ज कराई है।'' उन्होंने कहा, '' दिल्ली पुलिस उन्हें गिरफ्तार करेगी या नहीं-- यह हम नहीं जानते क्योंकि उपनिरीक्षकों ने ड्यूटी पर होने का दावा किया।'' उन्होंने दोनों अधिकारियों के नाम नहीं बताये और न ही उनकी तस्वीर साझा की क्योंकि ''वे शायद नक्सल या अन्य किसी गुप्त अभियान पर हों।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों उपनिरीक्षकों ने दावा किया कि ' संवैधानिक पद पर आसीन एक व्यक्ति' और विशेष शाखा के प्रमुख महानिरीक्षक प्रभात कुमार ने उन्हें चंपई सोरेन पर ''नजर रखने'' की ड्यूटी पर लगाया था। इसे 'जासूसी का गंभीर मामला' करार देते हुए शर्मा ने कहा, ''यह भारतीय राजनीति में नजर रखने का दुर्लभतम मामला है। हम इसे सर्वोच्च स्तरों पर उठाएंगे।'' झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस को निशाना बनाते हुए उन्होंने कहा, '' वे संविधान का रक्षक होने का दावा करते हैं लेकिन यहां वे अपने ही एक साथी के निजता एवं जीवन के मूल अधिकार में ताकझांक कर रहे हैं। क्या सोरेन एक नक्सली हैं, क्या वह चरमपंथी हैं?''

रेलवे में 6,456 करोड़ रु की लागत वाली दो नई लाइनों, मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना को मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 6,456 करोड़ रुपए की कुल अनुमानित लागत वाली तीन रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है। रेल मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

मंत्रालय के अनुसार, इन परियोजनाओं से दूर-दराज के इलाकों को आपस में जोड़कर ढुलाई संबंधी दक्षता में सुधार लाने, मौजूदा लाइन क्षमता बढ़ाने और परिवहन नेटवर्क का विस्तार करने के साथ-साथ आपूर्ति शृंखला को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा जिससे तेजी से आर्थिक विकास होगा।

मंत्रालय ने कहा, नई लाइन के प्रस्तावों से सीधा संपर्क बनेगा और आवागमन में सुधार होगा, तथा भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा संबंधी विश्वसनीयता बढ़ेगी। मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएगा और भीड़भाड़ को कम करेगा, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर बेहद जरूरी बुनियादी ढांचे का विकास होगा।

बयान में कहा गया, ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नए भारत की परिकल्पना के अनुरूप हैं, जिनसे विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विकास होगा और लोगों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकेगा और उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

टिकट बंटवारे पर कार्यकर्ताओं की नाराजगी से भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष को भाषण रोकना पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रवींद्र रैना को बुधवार को अपना भाषण बीच में ही रोकना पड़ा क्योंकि नाराज कार्यकर्ताओं ने रियासी जिले में श्री माता वैष्णो देवी सीट से पार्टी नेता रोहित दुबे को टिकट नहीं दिए जाने पर स्पष्टीकरण मांगा।

उम्मीदवारों की संशोधित सूची में दुबे के स्थान पर पूर्व विधायक बलदेव राज शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। रैना के कटरा पहुंचने पर दुबे के समर्थक सड़कों पर उतर आए। दुबे के स्थान पर शर्मा को मैदान में उतारने के भाजपा के फैसले के विरोध में पार्टी कार्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं ने राजमार्ग को जाम कर दिया। श्री माता वैष्णो देवी सीट पर 25 सितंबर को दूसरे चरण में 25 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के साथ मतदान होगा। यहां भाजपा कार्यालय में विरोध प्रदर्शन बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा, जिसमें जम्मू के चंब निर्वाचन क्षेत्र के नाराज पार्टी कार्यकर्ताओं के एक नए समूह ने वहां से पूर्व विधायक राजीव शर्मा को मैदान में उतारने के खिलाफ नारेबाजी की। जम्मू के त्रिकूट नगर स्थित पार्टी मुख्यालय के बाहर एकत्र हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि टिकट किसी बाहरी व्यक्ति के बजाय स्थानीय नेता को मिलेगा। जम्मू-कश्मीर की 24 सीटों के लिए पहले चरण का मतदान 18 सितंबर को होगा, जबकि 40 सीटों के लिए अंतिम और तीसरे चरण का मतदान एक अक्टूबर को होगा। मतगणना चार अक्टूबर को होगी।

रियासी के भाजपा जिला अध्यक्ष दुबे का नाम सोमवार को पार्टी द्वारा जारी 44 उम्मीदवारों की प्रारंभिक सूची में था, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। हालांकि, मंगलवार को जारी 29 उम्मीदवारों की सूची में, पार्टी ने दुबे की जगह शर्मा को उम्मीदवार बनाया, जबकि पहले घोषित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अन्य सभी नाम बरकरार रहे।

विपक्ष हमारी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के भार तले दफन हो जाएगा: हेमंत सोरेन

सरायकेला/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि दो दशक के विपक्षी शासन की तुलना में उनकी सरकार ने पिछले साढ़े चार साल में जितनी व्यापक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं उनके तले विपक्षी दल दब जाएंगे।

सोरेन ने कोल्हान संभाग में मैया सम्मान योजना शुरू किए जाने के अवसर पर कहा, ''हमारी सरकार ने पिछले साढ़े चार साल में बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं और किसानों सहित 40 लाख से ज़्यादा लोगों को पेंशन मुहैया कराई है। यह 'डबल इंजन' सरकार के 20 साल के 15 लाख लाभार्थियों के रिकॉर्ड से बिलकुल अलग है।''

कोल्हान संभाग में पूर्वी एवं पश्चिम सिंहभूम तथा सरायकेला खारसवां जिले आते हैं।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि गठबंधन सरकार पुराने बिजली बिल माफ करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम पहले ही किसानों के दो लाख रुपए तक के ऋण माफ कर चुके हैं और अब हम पुराने बिजली बिल को माफ करने पर काम कर रहे हैं। यह एक ऐसा वादा है जो तब हमसे रह गया था जब हमने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का फैसला किया था।''

सोरेन ने यह भी दावा किया कि राज्य में कोई भी बुजुर्ग व्यक्ति पेंशन लाभ से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने कोल्हान संभाग में लगभग छह लाख लाभार्थियों तक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 57.38 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंचाई है, जिसमें पूर्वी सिंहभूम में 2.47 लाख लाभार्थियों को मिले 24.73 करोड़ रुपए शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री विपक्षी दलों को धमका रही हैं: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भाजपा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह 'बदला नहीं, केवल बदलाव' का अपना पुराना नारा छोड़कर विपक्षी दलों को धमकाने का काम कर रही हैं। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बनर्जी की टिप्पणी को धमकी भरा बताते हुए इसकी निंदा की और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर कहा कि बनर्जी ''अब इस तरह के महत्वपूर्ण पद पर रहने की हकदार नहीं हैं।''

मजूमदार ने पत्रकारों से कहा, ''एक मुख्यमंत्री संवैधानिक रूप से पक्षपातपूर्ण रवैये से ऊपर उठने के लिए बाध्य होता है और उनके (बनर्जी) द्वारा इस तरह के डराने वाले बयान देना अकल्पनीय है जो लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करता है।'' बनर्जी की टिप्पणी तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों को कानून अपने हाथ में लेने और विपक्षी सदस्यों पर हमला करने के लिए उकसा सकती है इससे लोकतांत्रिक असहमति को दबाया जा सकता है। उन्होंने बनर्जी के उस बयान की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि बंगाल में आग लगी तो पड़ोसी राज्य जैसे झारखंड, ओडिशा, असम और यहां तक कि दूर स्थित दिल्ली भी प्रभावित होंगे। मजूमदार ने इसे गणतंत्र की संघीय भावना के विपरीत बताया। उन्होंने कहा, ''एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के लिए ऐसी टिप्पणी करना ठीक नहीं है। वह ऐसी बातें कैसे कह सकती हैं?'' उन्होंने आरजी कर अस्पताल के चिकित्सकों के आंदोलन के बारे में उनकी टिप्पणियों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''अदालत ने पहले ही जूनियर चिकित्सकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को बरकरार रखा है। जब तक न्याय नहीं मिल जाता, मुख्यमंत्री उन्हें चुप रहने के लिए मजबूर नहीं कर सकतीं।''

असम के विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जिसमें उन पर धर्म और जाति के आधार पर 'शत्रुता को बढ़ावा देने' का आरोप लगाया है। उन्होंने शर्मा पर आरोप लगाया कि वह एक विशिष्ट समुदाय को निशाना बनाकर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने के प्रयास रहे हैं, जिससे राज्य में दंगे जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। संयुक्त विपक्षी मंच असम (यूओएफए) के महासचिव लुरिनज्योति गोगोई द्वारा दिसपुर थाने में शिकायत दी गई।

गोगोई के साथ मंच के अन्य दलों के नेता मौजूद थे। यूओएफए असम में 18 दलों का गठबंधन है। मीडिया के साथ साझा की गई जानकारी में कहा, ''हम राज्य के मुख्यमंत्री के खिलाफ धर्म और जाति के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने की कोशिश करने के लिए यह प्राथमिकी दर्ज करा रहे हैं।'' पुलिस ने बताया कि थाने के अधिकारी को शिकायत प्राप्त हुई है, लेकिन अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। धींग में 14 वर्षीय लड़की के साथ कथित सामूहिक बलात्कार की घटना का जिक्र करते हुए यूओएफए ने दावा किया कि शर्मा ''विशेष समुदाय को निशाना बनाकर सांप्रदायिक उन्माद भड़काने की कोशिश कर रहे हैं''।

पैरालंपिक में एथलेटिक्स में भारत 10 पदक जीत सकता है: कोच सत्यनारायण

नई दिल्ली/भाषा। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण का मानना है कि भारत बुधवार से शुरू हो रहे पैरालंपिक में एथलेटिक्स में पांच स्वर्ण सहित 10 पदक जीत सकता है और उनका लक्ष्य पिछले पैरालंपिक के अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। सत्यनारायण ने कहा कि भारतीय एथलीटों ने पेरिस पैरा खेलों के लिए गहन प्रशिक्षण लिया है। इस प्रतियोगिताओं में भारत का 84 खिलाड़ियों का अब तक का सबसे बड़ा दल हिस्सा ले रहा है जिसमें 52 पुरुष और 32 महिलाएं शामिल हैं। सत्यनारायण ने विज्ञप्ति में कहा, ''टोक्यो में हमारे कई एथलीटों ने रजत और कांस्य पदक हासिल किए। इस बार हमारा ध्यान उन्हें स्वर्ण पदक में बदलने पर है।'' उन्होंने कहा, प्रशिक्षण गहन रहा है और हमारे एथलीटों ने अविश्वसनीय समर्पण दिखाया है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भाजपा के 'बंगाल बंद' के खिलाफ जनहित याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आहूत 12 घंटे के 'बंगाल बंद' के खिलाफ दायर एक याचिका बुधवार को खारिज कर दी, क्योंकि संबंधित याचिकाकर्ता को एक पूर्ववर्ती आदेश के माध्यम से अदालत के समक्ष जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने से हमेशा के लिए रोक दिया गया था।

उच्च न्यायालय में वकालत का दावा करने वाले याचिकाकर्ता संजय दास ने अपनी याचिका में अनुरोध किया था कि बंद को अवैध घोषित किया जाए। मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने जनहित याचिका खारिज कर दी, क्योंकि अदालत ने अपने पिछले आदेश में दास को ऐसी कोई भी याचिका दायर करने से हमेशा के लिए रोक दिया था। खंडपीठ में न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य भी शामिल थे।

पीठ ने दास की पूर्ववर्ती जनहित याचिका खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा था कि उन्होंने (याचिकाकर्ता ने) उस याचिका में अपने बारे में ही गलत बयान दिया था। याचिकाकर्ता ने उस याचिका में पुलिसिया कार्रवाई से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए अधिकृत एक न्यायाधीश को बदलने का अनुरोध किया था। पीठ ने उस याचिका के संबंध में दास पर 50,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया था।

अदालत ने कहा था कि याचिकाकर्ता ने अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है, मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय को धमाकने का प्रयास किया है और अपने बारे में गलत बयान दिए हैं। इन सभी तथ्यों पर गौर करते हुए अदालत ने याचिका को 50 हजार रुपए के जुर्माने के साथ खारिज कर दिया। भाजपा ने 'नबान्न अभियान' में भाग लेने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस की मंगलवार की कार्रवाई के विरोध में बुधवार को 'बंगाल बंद' का आह्वान किया जो आज सुबह छह बजे शुरू हो गया।

दास ने दावा किया था कि कि वह 10 साल से उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे हैं और कई ऐसे मामलों से जुड़े रहे हैं, जिनसे सामाजिक प्रभाव पड़ा है और आम लोगों के जीवन में बदलाव आया है।

पीठ ने संज्ञान लिया कि अदालत द्वारा यह पूछे जाने पर कि उन्होंने ऐसा क्या किया, जिससे सामाजिक प्रभाव पड़ा और उन्होंने कैसे दावा किया कि वे गरीबों तथा जरूरतमंदों के लिए काम करते हैं, दास का जवाब चुप्पी भरा था।

अदालत ने कहा कि दास द्वारा किए गए दावे गलत हैं और कानूनी पेशे में किसी व्यक्ति के लिए अशोभनीय हैं।

पीठ ने कहा कि यह याचिका पूरी तरह से महत्वहीन है और इसका मकसद दुर्भावना के तहत मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय को डराना है।

अदालत ने दास को निर्देश दिया कि वह उन पर लगाए गए 50,000 रुपए का जुर्माना 10 दिन के अंदर पश्चिम बंगाल राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को भुगतान करें।

उद्योगपति रतन टाटा हुए 'अणुव्रत पुरस्कार' से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुम्बई। अणुव्रत विश्व भारती संगठन द्वारा वर्ष 2023 के लिए उद्योगपति व सामाजिक सेवी रतन टाटा को मुंबई में उनके आवास पर प्रतिष्ठित 'अणुव्रत पुरस्कार' प्रदान किया गया।

संगठन के अध्यक्ष अविनाश नाहर ने रतन टाटा को स्मृति चिन्ह , प्रमाण पत्र और 1.51 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया।

इस अवसर पर अणुविभा महासचिव भीखम सुराणा, मुंबई सीमा शुल्क आयुक्त अशोक कुमार कोठारी, अणुविभा उपाध्यक्ष विनोदकुमारी और संयुक्त सचिव मनोज सिंघवी और अन्य उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि रतन टाटा को उनके द्वारा मानव जाति के लिए सकारात्मक योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

सुविचार

खुशी वो नहीं है जो दिखती है, खुशी वो है जो महसूस होती है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जन धनः अपनेआप में कीर्तिमान

जन धन योजना के 10 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इसके लिए यह कहना कि '... योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में सर्वोपरि रही है', देश के वित्तीय क्षेत्र में पिछले एक दशक में आए बड़े सकारात्मक बदलाव को जाहिर करता है। याद करें, जब इस योजना को शुरू किया गया था तो इसके औचित्य पर कितने सवाल उठाए गए थे! कई बुद्धिजीवी (जो भारत की हर समस्या का समाधान पश्चिमी देशों के मॉडल में देखते हैं) ने कहा था कि देश के आम लोगों को बैंकिंग की इतनी समझ ही नहीं है। यह भी कहा गया था कि आम आदमी के पास इतनी रकम नहीं है कि वह उसे जमा कराने के लिए बैंक शाखा में जाए। आज इस योजना की सफलता के आंकड़ों ने सिद्ध कर दिया कि अगर जनता-जनार्दन देश की बेहतरी और अपने कल्याण के लिए कुछ ठान ले तो तमाम पूर्वाग्रह ध्वस्त हो जाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने देश में बिचौलियों और भ्रष्टाचार की भयावह स्थिति के संबंध में एक बार कहा था कि जब जनकल्याण के लिए एक रुपया भेजते हैं तो लाभार्थी तक सिर्फ 15 पैसे पहुंचते हैं। यह कड़वी हकीकत थी। पहले, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के हक की खूब लूट-खसोट होती थी। व्यवस्था में न तो पर्याप्त पारदर्शिता थी और न ही कोई ऐसा जरिया था, जिससे लोगों तक सीधे ही रकम पहुंच जाए। बैंक जरूर थे, लेकिन उनकी पहुंच सीमित थी। उनमें बड़े कारोबारी वर्ग, संपन्न लोगों और सरकारी कर्मचारियों के ही खाते होते थे। आम आदमी के लिए बैंक खाता खुलवाना, उसका संचालन करना काफी मुश्किल होता था। यह स्थिति तब थी, जब सरकार दर्जनभर बैंकों का राष्ट्रीयकरण भी कर चुकी थी।

सरकारी सहायता और ऋण तक लोगों की पहुंच आसान हुई है। वित्तीय सेवाओं का लाभ पाने में लैंगिक अंतर निश्चित रूप से दूर हुआ है। बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच बढ़ने से भविष्य में आर्थिक तंत्र में और पारदर्शिता आएगी।

उस दौर के हालात को ध्यान में रखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि बैंकों के राष्ट्रीयकरण का आम जनता को खास फायदा नहीं मिल रहा था। जन धन योजना की शुरुआत की गई तो बड़े-बड़े बुद्धिजीवियों से लेकर सामान्य लोगों के मन में निश्चित रूप से वह तस्वीर मौजूद थी। जब छह महीनों में ठीक-ठाक संख्या में खाते खुल गए थे, तब कई लोगों ने यह कहते हुए मजाक उड़ाया था कि इस योजना का क्या फायदा, क्योंकि ज्यादातर खाते तो खाली पड़े हैं/पड़े रहेंगे! वास्तव में उस दौरान उन खातों के रकम संबंधी आंकड़ों से ज्यादा जरूरी था- उस आधार का निर्माण होना, जिस पर भविष्य में कई कल्याणकारी योजनाओं की नींव रखी जानी थी। यह काम जन धन ने किया। आज केंद्र सरकार दिल्ली से 1 रुपया भी भेजती है तो शहरों से लेकर ढाणियों तक में रहने वाले खाता धारकों को 1 रुपया जरूर मिलता है। बिचौलियों और भ्रष्टाचारियों की भूमिका खत्म! जन धन योजना को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए बैंककर्मियों के योगदान की सराहना जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में खाते खोलने, लोगों को योजना की जानकारी देने, ग्रामीणों की समस्याएं सुनने, उनका समाधान करने जैसे कार्यों में बहुत मेहनत लगती है। इस योजना के तहत एक दशक में 53 करोड़ से ज्यादा खाते खोलना अपनेआप में एक कीर्तिमान है। कई देशों की जितनी जनसंख्या नहीं है, उससे ज्यादा तो भारत में जन धन खाते खुल गए! उनमें भी महिला खाताधारक बहुत आगे हैं। जन धन योजना के कई फायदों में से बड़ा फायदा यह है कि इसने परिवारों में बचत की आदत को बढ़ावा दिया है। सरकारी सहायता और ऋण तक लोगों की पहुंच आसान हुई है। वित्तीय सेवाओं का लाभ पाने में लैंगिक अंतर निश्चित रूप से दूर हुआ है। बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच बढ़ने से भविष्य में आर्थिक तंत्र में और पारदर्शिता आएगी।

ट्वीटर टॉक

आमजन को सुगम और सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के सभी टोल्स पर फास्टैग, लाइव मॉनीटरिंग और टोल नीति में महत्वपूर्ण सुधारों की मंजूरी हेत राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उचित दिशा-निर्देश दिए।

-दीया कुमारी

सेना की 19 ग्रेनेडियर्स के वीर सपूत हवलदार नखत सिंह भाटी जी के अरूणाचल में वीरगति को प्राप्त होने का समाचार अत्यन्त दुःखद है। ईश्वर दिवंगत वीरात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने का सामर्थ्य प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

जयपुर-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग - 52 पर हुए सड़क दुर्घटना में 4 लोगों की मृत्यु होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। मेरी गहरी संवेदनाएं मृतकों के परिजनों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को एवं शोक संतप्त परिजनों को भारी पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

प्रेरक कर्मशीलता

एक गांव में भयंकर आग लग गई। आग तेजी से फैलती जा रही थी और गांव वाले अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे। एक चिड़िया ने यह दृश्य देखा और अपनी चोंच में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास करने लगी। वह बार-बार अपनी चोंच में पानी लाती और आग पर डाल देती। जब गांव वालों ने चिड़िया को आग पर पानी डालते देखा, तो उनमें भी जोश आ गया और वे बोले, 'अगर यह चिड़िया प्रयास कर रही है, तो हम क्यों नहीं कर सकते।' सबने मिलकर प्रयास किया और आग बुझ गई। यह सब एक कौआ देख रहा था। उसने चिड़िया से कहा, 'तेरे पानी डालने से कुछ हुआ तो नहीं, फिर तू यह क्यों कर रही थी?' चिड़िया ने उत्तर दिया, 'मेरे पानी डालने से कुछ हुआ हो या नहीं, लेकिन मुझे गर्व है कि जब भी इस आग की बात होगी, तो मेरी गिनती आग बुझाने वालों में होगी, तेरी तरह तमाशा देखने वालों में नहीं।'

सामयिक

बालमन की हिंसावृत्ति

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

पिछले दिनों बिहार के सुपौल से एक दहकती हुई खबर आयी-'बैग में पिस्तौल लेकर स्कूल पहुंचा नर्सरी का बच्चा, तीसरी के छात्र पर चलाई गोली।' कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र की गंगापुर कालोनी की कुछ दिन पहले की खबर है, यहाँ प्रयाग विद्या मन्दिर में 10 वीं के छात्र ने कक्षा में सहपाठी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। हम ऐसे समाचारों से खासे बेचैन हो जाते हैं, जहां बच्चे या किशोर किसी हिंसा अथवा गंभीर अपराध की दिशा में अग्रसर होते दिखते हैं। मन में स्वाभाविक सवाल उठता है कि जिस बालमन में रंग-बिरंगी कल्पना और जिज्ञासाओं का निवास होना चाहिए, वहाँ अपराध की दखलअंदाजी क्यों?

ऐसी ही एक सनसनीखेज बालहिंसा की घटना पर रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज की मनोविज्ञानी डॉ. हेमा खन्ना ने कहा था कि किशोरावस्था की ओर बढ़ते बच्चों में तेजी से हार्मोन्स परिवर्तित होते हैं। इस स्थिति में फिल्मों और टेलीविजन में दिखाए जाने वाले दृश्य उनके दिमाग में बैठ जाते हैं और वे उसी तरह प्रतिक्रिया देने लगते हैं। बालहिंसा के प्रकरण भी ऐसे किसी दृश्य के नकल के दुष्परिणाम होते हैं। मनोविज्ञानवेत्ता की त्वरित प्रतिक्रिया के तौर पर यह कथन ठीक है, लेकिन इसके पीछे और भी कई उलझे मनो-सामाजिक द्वन्द्व होते हैं।

पहले किशोरावस्था की दिशा में बढ़ते बच्चों में हार्मोनल परिवर्तन की आयु 12 वर्ष के आसपास शुरू होती थी, तब किन्हीं बच्चों में एनिमल इन्सटिंक्टस' प्रबल हो जाया करते थे। यह गुस्सैल, आक्रामक, चिड़चिड़े और आत्मनियंत्रण में कमजोर होते थे। मगर अभी के जो निष्कर्ष हैं, उसके अनुसार झंझावात की अवस्था डेढ़-दो वर्ष पहले ही आने लगी है। इसका कारण है-प्रकृति से कटा कृत्रिम जीवन, भौतिकवाद से उपजी जीवनशैली, रेडीमेड खानपान, बच्चों में बढ़ता अकेलापन और सूचना विस्फोट...। सुपौल वाली घटना का बच्चा तो मात्र पांच साल का है। सम्भव है यह उन बच्चों में हो जो अपना अधिक समय टीवी के आगे या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बिता रहे हैं। इस श्रेणी में निम्नवर्ग के बच्चे भी हैं। इनके परिवार में स्मार्टफोन भले ही न हो, किन्तु अपने मध्यवर्ग के मित्रों के बीच यह भी मोबाइल में उपलब्ध वयस्क कंटेन्ट या क्राइम थ्रिलर का मजा लेने में पीछे नहीं रहते हैं। फिल्म, टीवी के क्राइम पर आधारित धारावाहिक और वीडियो गेम की मारधाड़ व खूनखराबा को बार-बार देखने वाला बच्चा हिंसा के प्रति संवेदनशून्य हो जाता है और हिंसापूर्ण कृत्य उसके लिए आनन्द की सामग्री बन जाते हैं।

आज के बचपन की स्थितियों को लेकर जब हम अपने आसपास गंभीरता से दृष्टिपात करते हैं तो बच्चे का पूरा माहौल ही संवेदनाओं से कटा हुआ मिलता है। शिक्षा यांत्रिक हो चुकी है, यह बच्चों को तेज दिमाग वाला रोबोट बनाने में लगी है। अध्यापक के सामने भारी-भरकम पाठ्यक्रम पूरा करने की जिम्मेदारी है और विद्यार्थी के आगे इसे याद करने की चुनौती ..! छात्र-अध्यापक के बीच होने वाले अनौपचारिक संवाद समाप्तप्राय हैं। पारिवारिक परिवेश में आए बदलाव भी बच्चे पर गलत असर डाल रहे हैं। पहले बच्चे अपना अधिकतर समय परिवार के सदस्यों के बीच बिताते थे। माता-पिता, दादा-दादी से उनका सघन संवाद हुआ करता था।उसे भरपूर प्यार मिलता था तो गलती पर डांट भी ! किन्तु अब ऐसा नहीं है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर का कथन है-बच्चों का सम्पूर्ण मानसिक और शारीरिक विकास प्रकृति की गोद में ही संभव है। 'इस कथन के पीछे बच्चों के मन में संवेदनात्मक और नैतिकता का भाव भरने का विचार था। बच्चे प्रकृति से कोमलता-उदारता सीखते हैं। पहले पारिवारिक जीवन में कई परम्पराएं थीं, जो बच्चों को परिवेश से जोड़ती थीं। रसोईं में सिकने वाली पहली रोटी गाय की और आखिरी रोटी कुत्ते की कही जाती थी। बुजुर्ग चींटियों की बिल के आसपास आटा डालते थे। झारने-बीनने के बाद जो मरियल अनाज बचता था, उसे चिड़ियों के चुगने के लिए पेड़ों के नीचे डालने की परम्परा थी। छोटे बच्चों के लिए इसमें भरपूर रोचकता थी इससे वह गाय, कुत्ते, चींटी, चिड़ियों से ही नहीं आकर्षित होते थे, बल्कि धीरे-धीरे ढेर सारे जीव-जंतुओं, वनस्पति, नदी, पहाड़, झरनों से जुड़ते थो इनको लेकर वह ढेर सारी कल्पनाएं करता था। उसकी कल्पनाएं बेसिर-पैर की होती थीं। मगर यह उसके दिमाग को झाड़-पोंछकर साफ और सक्रिय रखती थीं।

आज कहा जाने लगा है कि दुनिया तर्क, विज्ञान, सूचना और वास्तविकता पर टिकी है। यथार्थ के नाम पर कल्पना किस्से-कहानियों और कविता से भी खारिज कर दी गई है। कल्पनाविहीन सृजनात्मकता की दुनिया में नैसर्गिकता का अभाव है। परिणामतः हर दिन ऐसा कुछ घटित हो रहा है, जो हमें चौंकाता हैं। बचपन जीवन की सबसे चुहलभरी अवस्था हुआ करती थी। खाना-पीना, खेलकूद, बेफिक्री, हल्के-फुल्के झगड़े, फिर सुलह, दोस्तों संग मस्ती-यह होता था बचपन...! मगर अब लगता है बचपन आता ही नहीं।

आज का बचपन शुरू से ही दौड़ में शामिल हो जाता है। कम उम्र से पढ़ाई का दबाव, आगे रहने की चुनौती, हॉबी क्लासेज जैसे उपक्रमों के बीच बाल जीवन की स्वभाविकता ही समाप्तप्राय हो गई है। जबकि बचपन की उमंगों भरी हरकतें ही एक मजबूत व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं। मजबूत व्यक्तित्व आक्रामक, गुस्सैल और हिंसक नहीं होता। बल्कि वह सृजनशील होता है और सृजनात्मकता कल्पना की देन होती है।

कल्पनाशीलता प्रकृति की गोद में पनपती है। मगर जरूरी नहीं कि इसके लिए आप हिल स्टेशन जाएं। मोहल्ले के पार्क में बच्चों के साथ थोड़ा समय बिताना, बच्चों को अपने साथ खेत-खलिहान और बाग में ले जाना भी प्रकृति की गोद की पूर्ति कर सकता है। उनके मन की बात सुनकर उसपर अपनी सकारात्मक राय देकर भी आप बच्चे के मन को हल्का कर सकते हैं। अभिभावक अगर बच्चों की छोटी-बड़ी बातों पर गौर करते हैं, तो बच्चों का उग्र और शरारती स्वभाव शांत रहता है। नसीहत देने के बजाय उनकी पूरी बात गंभीरता से सुनी जाय। फिर वे खुद ही अपनी भावनाएं और समस्याएं आप से साझा करेंगे।

अकेलेपन से त्रस्त बच्चे अनुकूलन में अत्यंत कमजोर होते हैं। इनके मस्तिष्क में एक नासमझी का कुहासा भरा होता है, जो विवेक सम्मत निर्णय लेने से इतर तात्कालिक आवेग के स्तर पर निर्णय लेने को प्रेरित करता है। परिणामतः खूनखराबा की घटनाएं सामने आती हैं। संभलने का मौका सदैव रहता है। बचपन को कृत्रिम बेड़ियों से मुक्त करके सहज भाव से जीने दें, जिसमें पढ़ाई के साथ खेलकूद और यारी-दोस्ती की मस्ती हो, साथ ही प्रेम भरे स्नेहिल आलिंगन और चुंबन भी! बस इतने से ही बच्चों के मन में घर करती विध्वंस की धुंध साफ होने लगेगी।

विचार

अराजकता की नई बस्ती बनी बांग्लादेश

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

विगत दिनों बांग्लादेश में वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटते ही छात्रों की संघर्ष समिति के कुछ नेताओं के साथ मोहम्मद यूनुस में अंतरिम सरकार का गठन कर लिया है छात्र नेताओं को भी मंत्री परिषद में स्थान दिया गया। शांति के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के सर्वे सर्वा बनाए गए हैं मोहम्मद यूनुस को जो अर्थशास्त्री भी है शांति के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था पर उनके नेतृत्व में हिंसक प्रदर्शन और विद्रोह कर सत्ता हथयाई गई, इस विद्रोह को हथियारों से युक्त सेना का समर्थन प्राप्त था और इस हिंसा में सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी गई। कायदे से मोहम्मद यूनुस से बांग्लादेश में अराजकता तथा हिंसा करवाने के परिपेक्ष में शांति का नोबेल पुरस्कार या तो उन्हें वापस दे देना चाहिए या उनसे नोबेल पुरस्कार वापस लिया जाना चाहिए। बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से हटाने में छात्रों के अलावा जमात ए इस्लामी आतंकवादी संगठन ने मोहम्मद यूनुस का बहुत साथ दिया था किंतु अब मोहम्मद यूनुस के अंतिम प्रधानमंत्री बनने के साथ-साथ इस संगठन से प्रतिबंध हटा दिए जाने के फलस्वरूप जेल में बंद इनके शागिर्दों को जेल से रिहा कर दिया गया। बताया जाता है कि बांग्लादेश में देश के गठन के बाद यह दूसरी क्रांति अमेरिका, चीन तथा पाकिस्तान के इशारे पर की गई है। बांग्लादेश में आतंकवाद अब पूरी तरह से सिर उठाने लगा है। जमात-ए-इस्लामी से प्रतिबंध हटते ही वर्तमान मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन कर दिया है हिंसा की कई घटनाएं हुई है। आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं भी जारी है छात्र संगठनों में भी दो ग्रुप हो गए हैं और एक छात्र संगठनों का ग्रुप मोहम्मद यूनिस सरकार का घोर विरोधी बनाकर आंदोलन कर रहा है। पाकिस्तान की तर्ज में बांग्लादेश में भी सत्ता परिवर्तन होते ही हिंदुओं का बड़ी संख्या में वध किया गया एवं मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। इसमें दो मत नहीं कि यदि बांग्लादेश भी उग्रवादियों आतंकवादियों के कब्जे में चला जाता है तो उसका विकास तेजी से अवरुद्ध हो जाएगा और वह पाकिस्तान की तरह आर्थिक रूप से कमजोर एवं पिछड़ा राष्ट्र बन कर रह जाएगा।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही क्योंकि शेख हसीना ने भारत में शरण ली है फ़ौरी तौर पर बांग्लादेश को शेख हसीना की भारत के प्रति अनुराग एवं मित्रता पसंद नहीं आई होगी। आतंकवादी संगठन जमात ए इस्लामी ने फिर बांग्लादेश में उपद्रव मचाना शुरू कर दिया है। अराजकता और आतंकवादी संगठनों का बांग्लादेश अब एक नया ठिकाना बन गया है चीन और अमेरिका भी इसे अपनी नई बस्ती बनाना चाहते हैं निश्चित तौर पर भारत के लिए यह शुभ संकेत नहीं है पाकिस्तान व चीन स्वतंत्रता के बाद से भारत के पारंपरिक दुश्मन रहे है पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन अभी भी जम्मू कश्मीर में लगातार हिंसा एवं वारदात करने में लगे हुए हैं।

अब बदले हुए बांग्लादेश का शासन तंत्र भारत के पक्ष में नहीं होगा ऐसी स्तिथि में भारत अब अनेक पड़ोसी दुश्मन देशों से घिरा हुआ रहेगा फल स्वरूप भारत की सीमा सुरक्षा पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है ऐसे में भारत को अंदरुनी तथा सीमा पर अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रख चाक चौबंद व्यवस्था रखनी होगी। भारत संप्रभुता एकता तथा अखंडता का वैश्विक स्वच्छ एवं साफ-सुथरी छवि वाला एकमात्र बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में भी लोकतंत्र है पर वहां पूंजीवादी व्यवस्था तथा व्यापक व्यवसायीकरण ने अनेक राष्ट्रपतियों को विस्तार वादी तथा साम्राज्यवादी मानसिकता का बना दिया है। अमेरिका की शक्ति संपन्नता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे एक संवेदनहीन,लोकतांत्रिक एवं निरंकुश राष्ट्र के रूप में स्थापित कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका और विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग देशों को एक दूसरे से युद्ध करने के उकसाने के लिए बदनाम रहा है, और उसकी इस इस कूटनीति का सबसे बड़े एवं तात्कालिक उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबान आतंकवादियों का कब्जा एवं और रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन अमेरिकी तथा अमेरिकी समर्थित नैटो एवं यूरोपीय देशों की भूमिका ही रही है। इसी तरह इसराइल हमास युद्ध में इसराइल को खुला समर्थन देकर अमेरिका ने विस्तारवाद तथा साम्राज्यवाद की आग को हवा देने का काम किया है और लगभग 2 हजार लोगों की जान को जिंदगी से वंचित कर दिया है। दूसरी तरफ भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द्र और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है। भारत देश में सदैव वैश्विक शांति का संदेश ही दिया है, यह अलग बात है कि भारत को धार्मिक सामाजिक आर्थिक विविधता विषमता के कारण अंदरूनी विवादों तथा आतंकवादी गतिविधियों के कारण अशांत रहने पर मजबूर किया है। भारत की आंतरिक सुरक्षा भी पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग शहरों यहां तक संसद भवन के हमलों और कश्मीर में विभिन्न समय तथा स्थानों पर आतंकवादी हमलों ने भारत की आंतरिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचाने का प्रयास किया है, भारत की शक्ति और सामर्थ्य इतनी सक्षम है कि आतंकवादियों के हमलों का भारत सरकार ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। यह तो तय है कि भारत में आतंकी गतिविधियां आंतरिक सुरक्षा के लिए हमेशा खतरा बनी हुई थी और है। इसके अलावा एल ए सी तथा एलओसी में चीन तथा पाकिस्तान जैसे देशों से हमें मुकाबला करना होगा। पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर है पर चीन की मदद तथा उकसावे के कारण पाकिस्तान भारत को एक बड़ा दुश्मन मानती है। अमेरिका जैसे देश बाहर से तमाशा देखने वाले देशों में माने जाते हैं। अतः भारत को अपनी आंतरिक तथा सीमा की सुरक्षा स्वयं के शक्ति तथा सामर्थ से ही करनी होगी एवं हमेशा सतर्कता बरतनी होगी।

नजरिया

छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

महाराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई।

छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया।

प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिए घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमाल किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरुद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिए कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिए सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है।

रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। घोटालों और भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबान में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर आती है, फिर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिलायेगा? ऐसी व्यवस्था कब कायम होगी कि जिसे कोई रिश्वत छू नहीं सके, जिसको कोई सिफारिश प्रभावित नहीं कर सके और जिसकी कोई कीमत नहीं लगा सके। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। तभी इन मूर्तियों, पुलों, निर्माण कार्यों का भर-भराकर गिरना बन्द होगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।— दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत-अमेरिका संबंध वैश्विक प्रगति के लिए बेहद महत्वपूर्ण : राजदूत गार्सेटी

नई दिल्ली/भाषा

भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने बुधवार को कहा कि भारत-अमेरिका संबंध वैश्विक प्रगति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

राजदूत ने यहां वार्षिक आईसीi3 सम्मेलन और एक्सपो 2024 में अपने संबोधन के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''भारत-अमेरिका संबंध वैश्विक प्रगति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जो शिक्षा के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता में गहराई से निहित है। जैसे-जैसे हम इस साझेदारी को मजबूत करने का प्रयास करते हैं, प्रभावी परामर्श दरवाजे खोलने और आपसी समझ को बढ़ावा देने में एक प्रमुख चालक के रूप में उभरता है।''

गार्सेटी ने कहा, ''अपने छात्रों को आगे बढ़ाते हुए और उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करके, हम न केवल शैक्षिक मार्गों को बढ़ा रहे हैं, बल्कि अपने द्विपक्षीय संबंधों को भी गहरा कर रहे हैं।''

इस सम्मेलन में दुनिया भर से लगभग 2,000 शिक्षक, स्कूल नेता, परामर्शदाता और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि एक साथ आए। गार्सेटी ने कहा, ''आईसीi3 जैसे कार्यक्रम इस मिशन में महत्वपूर्ण हैं, जो दर्शाते हैं कि भविष्य के नेताओं को आकार देने और हमारे सामूहिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में परामर्श कितना परिवर्तनकारी हो सकता है।''

सम्मेलन में दो महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत की गईं। ''छात्र आत्महत्याएं: भारत में फैल रही महामारी'' रिपोर्ट में एक चिंताजनक प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला गया कि जहां देश में आत्महत्या के कुल मामलों में सालाना दो प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं छात्र आत्महत्या के मामलों में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई।

'स्टूडेंट क्रेस्ट रिपोर्ट' ने छात्रों की आकांक्षाओं और शिक्षा मुहैया कराने वाली व्यवस्था के बीच के अंतराल को उजागर किया तथा बेहतर परामर्श बुनियादी ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित किया।

इसमें व्यक्तिगत मूल्यों के साथ करियर विकल्पों को शामिल करने के महत्व, परामर्श में एआई उपकरणों के प्रभाव और इन अंतरालों को दूर करने तथा छात्रों के समग्र विकास का समर्थन करने के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप और व्यापक समर्थन की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

बांग्लादेश में हालिया प्रदर्शनों के बाद प्रसिद्ध स्मारकों के प्रति लोगों की रुचि फिर बढ़ी

ढाका/भाषा

बांग्लादेश में हाल में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद ढाका के कुछ प्रसिद्ध स्मारकों के प्रति लोगों की रुचि एक बार फिर बढ़ गई है। इन स्मारकों में शहीद मीनार और राजू स्मारक भी शामिल हैं।

राजू स्मारक छात्र संघ के एक शहीद नेता की याद में बनाया गया है। ढाका विश्वविद्यालय क्षेत्र में स्थित ये स्मारक हालिया आंदोलन के प्रमुख केंद्र थे जो जुलाई में शुरू हुआ और जिन्होंने धीरे-धीरे पूरे देश को अपनी चपेट में ले लिया। उस आंदोलन के कारण शेख हसीना नीत सरकार का पतन हो गया और वह पांच अगस्त को देश छोड़कर भारत चली गईं।

ढाका शहर के लिए सार्वजनिक आंदोलन कोई नहीं बात नहीं है, क्योंकि पिछले 70 साल में बांग्लादेश के इतिहास में कई ऐतिहासिक मौके आए हैं जिनसे देश की नियति प्रभावित हुई है। ढाका विश्वविद्यालय क्षेत्र में स्थित शहीद मीनार, जहां इन दिनों अपेक्षाकृत शांति है, बांग्लादेश के लोगों के लिए तीर्थस्थल के समान है। इस शहीद मीनार की कई प्रतिकृतियां बांग्लादेश के अन्य शहरों में भी मौजूद हैं। इसका मौजूदा स्वरूप 50 साल से अधिक पुराना है और 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद इसे फिर से बनाया गया था। मुक्ति संग्राम के कारण बांग्लादेश के रूप में एक नए राष्ट्र का जन्म हुआ था।

शहीद मीनार की स्थापना मूल रूप से 1952 में बांग्ला भाषा आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के सम्मान में की गई थी, जब इस क्षेत्र को पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था और इसकी राजधानी ढाका थी।

कई पीढ़ियां उन बहादुर विश्वविद्यालय छात्रों की कहानी सुनकर बड़ी हुई हैं, जो 21 फरवरी, 1952 को बांग्ला को राजकीय भाषा का दर्जा दिलाने के लिए संघर्ष करते हुए पुलिस कार्रवाई में मारे गए थे।

उसके 70 साल बाद भी, 'एकुशे फरवरी' (21 फरवरी) की किंवदंती बांग्लादेश के लोगों के दिलों और दिमाग में जीवित है। बाद में इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मान्यता दी गई। इस ऐतिहासिक संघर्ष की गूंज 2024 में ढाका में महसूस की जा सकती है, जब आरक्षण विरोधी हिंसक प्रदर्शनों में कई लोगों की जान चली गई और अंतत: सरकार का पतन हो गया।

आंदोलन के दौरान शहीद मीनार पर भारी भीड़ होती थी और प्रदर्शनकारियों को इस स्थल की विरासत और इसके प्रतीकवाद दोनों से ताकत मिली और नेताओं ने बांग्ला भाषा में जोशीले भाषण दिए। हालिया प्रदर्शनों की याद में ढाका की दीवारों पर कलाकृतियां बनाई गई हैं, जिनमें विश्वविद्यालय क्षेत्र भी शामिल है। इनमें से कई भित्तिचित्र शहीद मीनार को दर्शाते हैं। दीवारों पर 'यह नया बांग्लादेश है' और 'जुलाई हम कभी नहीं भूलेंगे, हम कभी माफ नहीं करेंगे' जैसे नारे लिखे हैं। शहीद मीनार के पास रहने वाले मोहम्मद शाहिद के अनुसार यह स्मारक स्थल हालिया विरोध प्रदर्शनों के प्रमुख केंद्रों में से एक था। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जब पुलिस की गोलीबारी हुई, तो मैं अपने घर से उसकी आवाज सुन सकता था, कर्फ्यू के बावजूद सड़कों पर हजारों लोगों को देख सकता था। गोलियों की आवाज अब भी मेरे कानों में गूंजती है।

राजू स्मारक (आतंकवाद विरोधी राजू स्मारक मूर्ति) को 1997 में शहीद मोइन हुसैन राजू की याद में बनाया गया था, जो बांग्लादेश छात्र संघ के एक प्रमुख नेता थे, जिन्होंने 13 मार्च, 1992 को ढाका विश्वविद्यालय परिसर में 'गणतांत्रिक छात्र ओइक्या' के आतंकवाद विरोधी जुलूस का नेतृत्व किया था।

सैमसंग की नई बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीन के लॉन्च के अवसर पर मौजूद सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज के वरिष्ठ निदेशक सौरभ बैशाखिया, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के सीईओ एवं एमडी जेबी पार्क, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वीपी रिचर्ड ओ।

सैमसंग ने ज्यादा क्षमता वाली 10 एआई वॉशिंग मशीनों की नई रेंज लॉन्च की

कीमत 52,990 रुपए से शुरू होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मशहूर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने बड़े आकार की 10 फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों की नई रेंज लॉन्च की है। एआई से लैस ये मशीनें कई सुविधाओं के साथ कपड़े धोने के काम को बहुत आसान बना देंगी। ये नई, बड़ी वॉशिंग मशीनें 12 किलोग्राम के आकार में हैं, जिससे उपभोक्ता एक बार में ज्यादा भार वाले कपड़े धो सकते हैं। इनमें कंबल, पर्दों और साड़ियों आदि की धुलाई में आसानी होगी।

सैमसंग इंडिया की नई 12 किलोग्राम एआई वॉशिंग मशीनों की रेंज की कीमत 52,990 रुपए से शुरू होगी। ये आधुनिक वॉशिंग मशीनें फ्लैट ग्लास डोर के साथ बेस्पोक डिजाइन और एआई वॉश, एआई एनर्जी मोड, एआई कंट्रोल और एआई इकोबबल जैसी उन्नत एआई सुविधाओं से युक्त हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज के वरिष्ठ निदेशक सौरभ बैशाखिया ने कहा, 'भारतीय उपभोक्ता नए युग के डिजिटल उपकरणों की तलाश में हैं, जो न्यूनतम प्रयास के साथ सर्वोत्तम धुलाई प्रदर्शन करते हैं। साथ ही ऊर्जा और समय की बचत भी करते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारी नई 12 किलोग्राम एआई-संचालित वॉशिंग मशीनें उपभोक्ताओं को एक बार में अधिक कपड़े धोने में सक्षम बनाती हैं, जिससे उन्हें समय बचाने में मदद मिलेगी।' सौरभ बैशाखिया ने कहा, 'फ्रंट-लोड बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीनों की नई रेंज सुविधाजनक और प्रभावी धुलाई सुविधा उपलब्ध करवाकर अपनी अलग पहचान बनाती है।'

उन्होंने कहा, 'प्रीमियम बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीन रेंज के साथ हमारा लक्ष्य उन उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करना है, जो प्रदर्शन, सुविधा और स्टाइल को महत्त्व देते हैं तथा ऊंची क्षमता वाली वॉशिंग मशीन सेगमेंट में अग्रणी बनना चाहते हैं।'

इन मशीनों में एआई ऊर्जा मोड के कारण 70 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत होती है, जिससे उपभोक्ताओं का बिजली बिल कम आएगा। ये वॉशिंग मशीनें सैमसंग के आधिकारिक ऑनलाइन स्टोर सैमसंग.कॉम, सैमसंग शॉप ऐप, रिटेल स्टोर और अन्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी।

'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' की तैयारी के लिए अर्शिन मेहता ने की कड़ी मेहनत

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अर्शिन मेहता ने सुहासिनी भट्टाचार्य की भूमिका के लिए की गई तैयारी के बारे में खुलकर बात की। अर्शिन इसमें बांग्लादेश की एक हिंदू ब्राह्मण लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो अपने देश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को देखने के बाद भारत के पश्चिम बंगाल में शरण लेती है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने कई व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया।

'बजरंगी भाईजान' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अर्शिन ने इस बारे में बताया, ''मैं किरदार में रहना चाहती थी, इसलिए मैंने सुहासिनी की भूमिका को अपनाया, जो एक शरणार्थी है, जिसके पास विलासिता की चीजों की पहुंच नहीं है। मैंने कुर्सियों पर बैठने से परहेज किया और जमीन पर बैठना पसंद किया, किसी से ज्यादा बात न करके अपने किरदार की मानसिकता में रहना पसंद किया। सुहासिनी ने इतने सारे अनुभव किए थे कि वह हमेशा अपने दायरे में रहती थी, और मैंने भी उसी दायरे में रहने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा अपने दायरे में रहना सुनिश्चित किया। मैं लगातार संगीत सुनती, किसी से बात करने से बचती और शूटिंग खत्म होने के बाद भी चुपचाप घर चली जाती और किरदार की मानसिकता में रहती। सुहासिनी के किरदार को ईमानदारी और प्रामाणिकता के साथ निभाने के लिए मेरे लिए उस दायरे में रहना महत्वपूर्ण था, ताकि लोग उससे सही मायने में जुड़ सकें। अर्शिन की भूमिका उनकी आवाज को बुलंद करती है क्योंकि वह मानवाधिकार परिषद, भारत सरकार और विभिन्न मंत्रालयों को इस तथ्य के प्रति सचेत करने का प्रयास करती है कि भारत में हिंदू भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा, वहां पहुंचने पर उन्हें यह जानकर झटका लगा कि बंगाल में हिंदुओं की स्थिति बांग्लादेश जितनी ही खराब है। यह अहसास उनके लिए बहुत बड़ा है, खासकर तब जब उन्हें हिंदू बहुल देश में सुरक्षित रहने की उम्मीद थी।

'मैं राजकपूर हो गया' फेम अभिनेत्री ने आगे कहा, यह फिल्म सुहासिनी की यात्रा को दर्शाती है, जिसमें वह लव जिहाद का शिकार बनने के साथ कई बाधाओं से जूझती है। एक मुस्लिम व्यक्ति उसे शरण देता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उसने उसकी जान बख्श दी है, जबकि उसके दोस्तों ने अन्य शरणार्थियों को मार डाला है। सुहासिनी की जीवन यात्रा और न्याय के लिए उसकी लड़ाई फिल्म के केंद्र में है।'' अर्शिन ने खुलासा किया कि सुहासिनी ने जिस तरह का गहरा आघात सहा, उसके कारण उसका किरदार बेहद गंभीर था। अभिनेत्री ने आगे कहा, ''उसने अपने परिवार को मरते हुए देखा, जिससे वह गहरे सदमे में चली गई और सामान्य जीवन जीने में असमर्थ हो गई। पूरी फिल्म में कई गंभीर दृश्य थे और भूमिका के साथ न्याय करने के लिए मैं संगीत सुनती रही, जिससे मुझे किरदार में बने रहने और दृश्यों के लिए आवश्यक भावनाओं को बढ़ाने में मदद मिली। यह फिल्म 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

करण जौहर की वेब सीरीज 'कॉल मी बे' से अभिनय क्षेत्र में कदम रखेगी लिसा मिश्रा

मुंबई/एजेन्सी

बहु-प्रतिभाशाली गायिका और अब जल्द ही एक अभिनेत्री बनने वाली लिसा मिश्रा, धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा उनकी शाखा धर्माटिक एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित आगामी वेब सिरीज़ कॉल मी बे में अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जिसका प्रीमियर अमेज़ॅन प्राइम पर होगा।

अपनी दमदार आवाज़ और भावपूर्ण प्रस्तुतियों के लिए जानी जाने वाली लिसा का अभिनय की दुनिया में आना एक लंबे समय से प्रतीक्षित यात्रा रही है। कॉल मी बे के साथ अभिनय में लिसा का प्रवेश उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जो संगीत उद्योग से परे उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। इस अवसर के लिए आभारी होकर, उन्होंने एक अभिनेत्री के रूप में उनकी क्षमता पर विश्वास करने के लिए धर्मा प्रोडक्शंस और उनके अटूट समर्थन के लिए अपने गुरुओं को हार्दिक धन्यवाद दिया।

अपनी कास्टिंग पर विचार करते हुए, लिसा ने साझा किया, जब मेरा ऑडिशन आया तो निर्देशन टीम के लिए यह आश्चर्य की बात थी क्योंकि वे मुझे पहले केवल एक गायिका के रूप में जानते थे। लेकिन अभिनय हमेशा से एक सपना रहा है, और इस कला पर मैं वर्षों से चुपचाप काम कर रही थी। यहां तक पहुंचने और इसे तोड़ने में मुझे बहुत समय लगा। बेशक गायन मेरा पहला प्यार है, लेकिन मैं अभिनय की इस लालसा को मिटाना चाहती थी काफी धैर्य के बाद आखिरकार यह समय आ गया है। उनके डेब्यू को लेकर उत्साह निश्चित रूप से देखने लायक है, क्योंकि लिसा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर इस उपलब्धि के बारे में अपनी भावनाएं भी व्यक्त कीं।

उन्होंने लिखा, मैं अपनी पहली सीरीज़ आप सभी को दिखाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। कॉल मी बे एक सपना सच होने जैसा था, और इस तरह का कार्यक्रम पेश करना, वह भी धर्मा और अमेज़ॅन प्राइम के साथ लॉन्च करना, मेरे लिए भी वास्तव में अविश्वसनीय है। मैं 2018 से पंचमी घावरी के साथ ऑडिशन दे रही हूं, इस पल के इंतज़ार में वर्षों से अपनी भाषा कौशल और स्क्रीन उपस्थिति को निखार रही हूं। इस यात्रा ने मुझे सिखाया की सब्र रखो और डटे रहो-जो होना है वह रातोरात नहीं होगा। आशा है कि मैंने अपने गुरुओं को गौरवान्वित किया है और आप मेरे पहले अभिनय प्रदर्शन का आनंद लेंगे।

राजनीतिक अशांति और बाढ़ के बीच बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग संकट से जूझ रहा है

ढाका/भाषा

बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ कहा जाने वाला कपड़ा उद्योग हिंसक विरोध-प्रदर्शनों, विनाशकारी बाढ़ और राजनीतिक अशांति के कारण संकट से जूझ रहा है। इसके कारण क्षेत्र की वृद्धि और वैश्विक स्तर पर उसकी पहुंच खतरे में आ गई है।

बांग्लादेश की कुल निर्यात आय में 80 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी कपड़ा उद्योग की है और यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 11 प्रतिशत का योगदान देता है। इतना ही नहीं, कपड़ा उद्योग देश में लाखों लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराता है।

आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ व्यापक स्तर पर हुए विरोध-प्रदर्शनों के कारण पांच अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली गई थीं। वह फिलहाल भारत में ही हैं।

देश में दो माह तक प्रदर्शन, कर्फ्यू और हिंसा देखी गई। इस अशांति ने न केवल कारखानों के संचालन को बाधित किया है, बल्कि इससे गंभीर आर्थिक नुकसान भी हुआ।

'बांग्लादेश गार्मेंट मैनुफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन' (बीजीएमईए) ने हाल ही में वित्तीय घाटे की रिपोर्ट जारी की जिसमें बंद और संचार व्यवस्था बाधित होने के कारण 6,400 करोड़ टका (लगभग 4,500 करोड़ रुपए) के नुकसान का अनुमान जताया गया।

बीजीएमईए के नवनिर्वाचित अध्यक्ष खांडोकर रफीक-उल इस्लाम ने कहा कि इस वर्ष निर्यात को लगभग 45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य हासिल नहीं हो पाएगा। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मेरा मानना है कि यह स्थाई संकट नहीं है और हम इससे उबर जाएंगे। नुकसान के सही आकलन का बाद में पता चलेगा, लेकिन हां, इसका (अशांति और बाढ़ का) असर हुआ है।'' इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री एवं बीजीएमईए के अध्यक्ष गुलाम सरवर मिलन ने कहा कि राजनीतिक अशांति और बाढ़ से कपड़ा उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है, क्योंकि उत्पादन और कच्चे माल की आपूर्ति शृंखला दोनों पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा, ''कपड़ा उद्योग अभूतपूर्व संकट से जूझ रहा है। उत्पादन पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में लगभग 15-20 प्रतिशत कम है। कई ऑर्डर प्रभावित हुए हैं क्योंकि निवेशक और ऑर्डर लाने वाले निवेश करने से कतरा रहे हैं। कई छोटी इकाइयां या तो बंद हो गई हैं या बड़ी इकाइयों के लिए ठेके पर काम कर रही हैं।''

बीजीएमईए सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश में कपड़े के लगभग तीन हजार छोटे-बड़े कारखानों में से लगभग 800-900 पिछले साल से बंद हो चुके हैं। उन्होंने कहा, ''बड़े कारखाने तो बच गए हैं लेकिन छोटे और मध्यम स्तर के कारखानों को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अगर यही हालात रहे तो स्थिति और खराब होगी।''

बाढ़ ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया है, जिससे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है तथा परिवहन व्यवस्था जटिल हो गई है।

डेल्टाई बांग्लादेश और भारत के ऊपरी इलाकों में मानसून की बारिश से आई बाढ़ के कारण कई लोगों की जान चली गई और लगभग 30 लाख लोग बेघर या प्रभावित हुए हैं, जिससे सत्ता परिवर्तन के बीच नवगठित अंतरिम सरकार के सामने एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती खड़ी हो गई है।

अभिनेत्री नमिता से माँगा हिन्दू होने का सबूत, नहीं करने दिए मदुरै मीनाक्षी मंदिर में दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारत की ख्यातनाम अभिनेत्री नमिता का एक बयान इन दिनों खासा वायरल हो रहा है। इस बयान में उन्होंने मदुरै मीनाक्षी मंदिर के कर्मचारियों पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने और उनके हिन्दू होने का सबूत देने की बात कही है। इस बात की जानकारी नमिता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करके दी है। उनकी यह पोस्ट अब वायरल हो गई है। मशहूर साउथ इंडियन एक्ट्रेस नमिता ने आरोप लगाया है कि तमिलनाडु के प्रसिद्ध मदुरै मीनाक्षी मंदिर के कर्मचारियों ने उनसे हिंदू होने का सबूत मांगा और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। नमिता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए इस बात की जानकारी दी। नमिता ने कहा कि मैं हिंदू धर्म की हूं। तिरुपति में एक हिंदू व्यक्ति से शादी की थी। श्रीकृष्ण नाम का एक बेटा है। लेकिन मुझे मीनाक्षी मंदिर में आने पर हिंदू होने का प्रमाण पत्र दिखाने को कहा गया और

बदसलूकी करते हुए दर्शन से रोका गया। अपने जीवन में मैंने कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया। बाद में सफाई देने और माथे पर कुमकुम लगाने के बाद उन्होंने मुझे दर्शन करने दिए। दूसरी ओर, मंदिर प्रबंधन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि नमिता ने मास्क पहना हुआ था। इसलिए उन्हें रोककर पूछा गया कि क्या वह हिंदू हैं। सफाई देने के बाद माथे पर कुमकुम लगाकर उन्हें दर्शन करने की अनुमति दे दी गई। पूछने का एक तरीका होता है। मुझे एक कोने में 20 मिनट इंतजार करवाया गया। हमने रविवार को ही पुलिस को अपनी विजिट के बारे में जानकारी दे दी थी। तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकीं नमिता तमिलनाडु में बीजेपी की प्रदेश कार्यकारिणी की सदस्य भी हैं।

कियारा आडवाणी से बहुत प्रेरित हैं शरवरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी, कियारा आडवाणी से बहुत प्रेरित हैं। कियारा आडवाणी निस्संदेह भारतीय सिनेमा की बहुमुखी और

पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने काम, अभिनय और इंडस्ट्री में अपने सफ़र के साथ, कियारा आडवाणी कई युवा अभिनेत्रियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रही हैं। शरवरी वाघ ने हाल ही में कियारा आडवाणी के बारे में बात की और कहा, मुझे वाकई लगता है कि कियारा आडवाणी का सफ़र बहुत प्रेरणादायक है, क्योंकि मुझे लगता है कि वह बहुत लंबे समय तक ऐसी फ़िल्मों का हिस्सा रहीं, जिनके बारे में लोगों को पता भी नहीं था? और आज वह टॉप अभिनेत्रियों में से एक हैं। मुझे लगता है कि दृढ़ संकल्प, मुझे यकीन है कि उन्हें आगे बढ़ते रहना था और खुद को बेहतर बनाना था और बेहतर प्रदर्शन करना था। मुझे लगता है कि यह कुछ प्रेरणादायक है। कियारा आडवाणी फिल्म गेम चेंजर, वॉर 2 और डॉन 3 में नज़र आएंगी, जबकि शरवरी अगली बार फिल्म अल्फा में नज़र आएंगी।

'घुड़सवारी और स्कूबा डाइविंग' मेरे पसंदीदा शौक : रविरा भारद्वाज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रविरा भारद्वाज ने अपने शौक के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें घुड़सवारी और स्कूबा डाइविंग बहुत पसंद है। शो 'औकात से ज्यादा' में उर्मिला की भूमिका निभाने वाली रविरा ने कहा, ''अपने खाली समय में मैं कई तरह के शौक पूरा करना पसंद करती हूं, जो मुझे खुशी और सुकून देते हैं। पेंटिंग एक ऐसी चीज है जो मुझे वाकई सुकून देती है। यह खुद को व्यक्त करने और एक लंबे दिन के बाद आराम करने का एक तरीका है। डांसिंग मेरा एक और जुनून है, यह मुझे संगीत से जुड़ने का एक मौका देता है।'' 'जियूं कैसे' की अभिनेत्री ने आगे कहा, मगर मुझे घुड़सवारी और स्कूबा डाइविंग बहुत पसंद है। घुड़सवारी मुझे अविश्वसनीय रूप से रोमांच और जानवर से जुड़ने का मौका देती है। वहीं स्कूबा डाइविंग एक दूसरी दुनिया में कदम रखने जैसा है। पानी के नीचे रहना, समुद्र की सुंदरता और रहस्य से घिरा होना मुझे हमेशा शांति का एहसास कराता है। उन्होंने कहा कि अपने लिए समय निकालना मानसिक स्वास्थ्य और सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''खुद के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है। यह संतुलित और केंद्रित रहने की कुंजी है। यह मुझे आराम देता है और मेरी ऊर्जा को रिचार्ज करता है जिससे मुझे काम पर लौटने की ताकत मिलती है। मुझे यात्रा करने और नई जगहों की खोज करने का बहुत शौक है, यह मेरा खाली समय बिताने का सबसे पसंदीदा तरीका है। लेकिन जब मैं नई जगहों की खोज करने नहीं जाती हूं तो आप मुझे घर में आनंद लेते हुए देख सकते हैं। यह तनाव दूर करने और खुद को तरोताजा करने का सबसे बढ़िया तरीका है।'' 'औकात से ज्यादा' यूट्यूब चैनल फ्रेश मिंट पर स्ट्रीम हो रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 29-08-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के सिमंधर शांतिसूरी जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में आयोजित 40 दिवसीय सम्मेतशिखर तप की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में बुधवार को सम्मेतशिखरजी तीर्थ के प्रति जागरुकता हेतु संभवनाथ भवन में तीर्थ भावयात्रा का आयोजन किया गया।

'परोपकार ही मानवता का सौरभ है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि समस्त चौरासी लाख जीवयोनियों में एक मनुष्य जन्म की प्राप्ति बहुत दुर्लभ है। इस नर देह को प्राप्त करने का सार हैं धर्माराधना, प्रभु भक्ति करके मुक्ति की कामना के लक्ष्य से जीवन में आगे बढ़ते हुए इस अनमोल मानव जीवन को सार्थक बनाना है। प्रभु महावीर ने अपने प्रधान शिष्य गौतम स्वामी के माध्यम से समस्त प्राणियों को यही हितकर-कल्याणकारी उपदेश दिया कि हे गौतम! अच्छे कार्यों में प्रवृत्त होने के लिए धर्म मार्ग में आगे बढ़ने के लिए समय मात्र का भी प्रमाद मत करो। मनुष्य का जीवन पाकर भी प्रभु भक्ति, धर्म, सेवा, सुकृत के कार्य नहीं किए तो उस व्यक्ति से अभागा कोई नहीं हो सकता है । मनुष्य का जन्म एक मन्दिर की सीढ़ी की भांति होता है, क्योंकि हम चाहें तो सीढ़ी से ऊपर भी चढ़ा जा सकता है और नीचे भी उतरा जा सकता है। इस प्रकार मनुष्य राम भी बन सकता है और रावण भी बन सकता है।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि हमारी जीवात्मा को चार अंगों की प्राप्ति होना अति दुर्लभ कार्य हैं। वो चार अंग है मनुष्य जन्म, जिनवाणी का श्रवण, धर्म पर श्रद्धा और संयम में पुरुषार्थ करना। ये चार अंग मोक्ष के साधनभूत है, इनके द्वारा प्राणी अपने अभिष्ट लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। सेवा, दान, प्रेम, वात्सल्य, दया यह सब मानवता के अंग हैं। जो दूसरों का भला करता हैं उसका भला भगवान अपने आप ही कर देता है। औरों के कल्याण में रहता जिनका

ध्यान, उनका अपने आप ही हो जाता कल्याण। साध्वी श्री जी ने एक बहुत ही सुन्दर प्रेरक दृष्टान्त के माध्यम से परोपकार के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संघ मंत्री सुरेशकुमार धोका ने रविवार से प्रारंभ हो रहे पर्वधिराज पर्युषण महापर्व में संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु की विभिन्न सभा संस्थाओं से जुड़े अश्विन सेमलानी को दक्षिण पश्चिम रेलवे की मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी) का सदस्य मनोनीत किए जाने व दिलीप जैन को भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने पर क्रांति युवा सेना के सदस्यों ने उनका सम्मान किया। क्रांति युवा सेना के अध्यक्ष विनोद चौहान सहित अन्य पदाधिकारियों ने दोनों का सम्मान किया।

आध्यात्मिक ऊर्जा के केन्द्र हैं तीर्थस्थान : आचार्यश्री अरिहंतसागर

सम्मेतशिखर तीर्थ के प्रति जागरुकता के लिए हुई भावयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधर शांतिसूरी जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में आयोजित 40 दिवसीय सम्मेतशिखर तप की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में बुधवार को सम्मेतशिखरजी तीर्थ के प्रति जागरुकता हेतु संभवनाथ भवन में तीर्थ भावयात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि तीर्थस्थल आध्यात्मिक ऊर्जा के केन्द्र होते हैं। व्यक्ति के भावों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने में उनकी क्षमता होने के कारण ही तीर्थयात्रा का महत्व दर्शाया गया है। अतः उनकी पवित्रता बनाए रखने का प्रत्येक श्रद्धालु का कर्तव्य बनता है। लेकिन अफसोस की बात है कि आज पर्यटन को बढ़ावा देने के नाम पर सरकार तीर्थस्थलों की पवित्रता के साथ खिलवाड कर रही है। संसार के प्रत्येक क्षेत्र की जिस प्रकार एक आचार-संहिता होती है उसी तरह तीर्थों के पवित्र वातावरण की सुरक्षा के लिए भी निश्चित की गई आचार-संहिता का पालन अनिवार्य होना चाहिए, अन्यथा वे तीर्थस्थान

मिटकर पर्यटन स्थल बनकर रह जाएंगे।

आचार्यश्री ने तीर्थ का इतिहास बताते हुए कहा कि झारखंड राज्य में स्थित सम्मेत शिखरजी तीर्थ से चौबीस में से बीस तीर्थंकरों ने निर्वाण प्राप्त किया है, अतः उनके द्वारा की गई साधना से वहां स्थित मंदिर ही नहीं बल्कि पूरा पहाड पवित्र माना गया है जिसकी मालिकी परंपरा से जैन संघ के अधीन रही है। इस बात की पुष्टि हेतु मुगल काल में भी अकबर ने तीर्थों की मालिकी का सत्यापन करते हुए जैन संघ के नाम फरमान जारी किए थे जिसके दस्तावेज आज भी मौजूद है। इसके बाद समय समय पर तत्कालीन शासकों ने भी तीर्थ की सुरक्षा में सहयोग दिया। अंग्रेजों के भारत आने के बाद तीर्थ पर गैर-धार्मिक प्रवृत्तियाँ शुरू हुई तो जैन संघ ने तब भी उसका विरोध किया और भविष्य में किसी प्रकार का विवाद न हो अत: एक बड़ी धनराशि का भुगतान कर पूरे पहाड को खरीदा। लेकिन आजादी के बाद बिहार सरकार ने कृषि सुधार अधिनियम के तहत पूरे पहाड को अपने कब्जे में ले लिया और तब से यह तीर्थ में सरकारी हस्तक्षेप के कारण कानूनी विवाद में है। संतश्री ने बताया कि अनावश्यक हस्तक्षेप के कारण वहां मांसाहार, मदिरापान, पशुबलि, पर्यटकों द्वारा फूहड नाच-गान आदि अनेक प्रवृत्तियाँ दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।

आचार्यश्री ने बताया कि नतीजन तीर्थयात्रा के पवित्र धार्मिक उद्देश्य से आने वाले श्रद्धालुओं को अनेक प्रकार की बाधाओं का सामना करना पड रहा है। ये हालत न सिर्फ एक तीर्थ की बल्कि सभी धर्मों के अनेक तीर्थों में सरकारी हस्तक्षेप के कारण हुई है। इससे पूर्व सम्मेतशिखर तीर्थ के विशाल चित्र-पट्ट के समक्ष मीठालाल पावेचा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावों के माध्यम से संगीतमय ढंग से मानस यात्रा करवाई। तपस्वियों ने चित्रपट्ट के समक्ष कुसुमांजली अर्पित कर तीर्थ की पवित्रता को सुरक्षित रखने हेतु आवश्यक आचार-संहिता का पालन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के लाभार्थी कल्याण मित्र परिवार के सदस्यों ने सभी कर स्वागत किया।

महालक्ष्मी लेआउट में नूतन भवन का भूमिपूजन सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मी लेआउट में चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी की प्रेरणा से एवं साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी के सान्निध्य में लाभार्थी नरेशकुमार महेंद्रकुमार,सुनीलकुमार बंबोरी परिवार द्वारा पूरे विधिविधान से विधिकारक पंडित राजेन्द्र राजू शर्मा एवं धनंजय गुरुजी के मार्गदर्शन में नूतन भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में बम्बोरी परिवार के सदस्य, संघ, महिला व युवा मंडल के सदस्य उपस्थित थे। अध्यक्ष नरेश बम्बोरी ने सभी का स्वागत किया।

बिहार भवन में हर्षोल्लास से मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरटी नगर स्थित सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के महिला मंडल द्वारा बिहार भवन में कृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। परिषद सचिव पंडित राजगुरु ने भगवानश्री कृष्ण का पूजन की। अजयसिंह एवं श्रेयासिंह द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कलाकारों ने भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण के भजन-कीर्तन सुनाए। बच्चों द्वारा भगवान श्री कृष्ण के स्वरूप की झांकियां प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में राहुल कीर्ति इंटीरियर, दीपेश कुमार, रवि रंजन एवं श्रेया सिंह को सम्मानित किया गया तथा भगवान को 56 प्रकार के भोग लगाए गए। इस कार्यक्रम में परिषद अध्यक्ष एसके उपाध्याय, संयोजक हरिश्चंद्र झा, उदयकुमार, राजेश्वर सिंह, रामलखन सिंह, हीरा झा, मिंटू दुबे, शीलादेवी, कांतिदेवी, उषा झा, डेजी शर्मा, अमिता झा, सुचित्रा मिश्रा, निधि श्रीवास्तव, बिन्दु देवी, अर्पणा शर्मा, अर्पणा झा, डॉक्टर अर्चना झा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

साध्वीश्री शीलकंवर की जयंती मनाई गई, श्रद्धालुओं का हुआ सम्मान

शिव्वमोग्गा/दक्षिण भारत । शहर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिश्रीजी के सान्निध्य में साध्वीश्री शीलकंवरजी म.सा. की 113वीं जयंती मनाई गई। इस मौके प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ, बेंगलूरु के महामंत्री जवरीलाल लुणावत, महेन्द्र धानेशा, महावीर ललवानी व केवल मोदी ने महासतीजी के दर्शन कर कार्यक्रम में भाग लिया। गुणानुवाद सभा में बेंगलूरु, शिव्वमोग्गा सहित अन्य शहरों से गुरु भक्त शामिल हुए तथा सभी ने साध्वीश्री शीलकंवरजी के गुणों को याद कर उन्हें अनुसरण करने का संकल्प लिया। जप-तप व सामायिक साधना के साथ जयंती मनाई गई। शिव्वमोग्गा संघ के पूर्व अध्यक्ष हंसराज कवाड व सदस्य अशोक पालरेचा ने प्रवासी संघ के सदस्यों का सम्मान किया।

सामायिक से पहले हर इंसान को गुणवान व सत्यवान बनना चाहिए : विनयमुनि

बेंगलूरु//दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि सामाजिक और सामायिक ये दोनों के भावों में अन्तर होते हुए भी दोनों एक दूसरे से समान्तर रुप से जुड़े है। अच्छा सामाजिक इन्सान बनना बहुत ही कठिन है। प्रत्येक मनुष्य जिस समाज में जी रहा है, वहाँ वह अपनी सभी प्रकार की सुरक्षा चाहता है। सामाजिक अराजकता बढ़ने से संवाद-प्रीति, मैत्री और अहिंसा धर्म को सबसे ज्यादा चोट पहुंचती है। सामायिक में अहिंसा धर्म का ही तो पालन किया जाता है। अर्थ-धर्म-काम और मोक्ष ये चारों की सीमा ही सामाजिक सुरक्षा कहलाती है। सुरक्षा के बिना सामाजिकता में बिखराव होने लगता है। समाज के प्रमुखों और धर्मगुरुओं दोनों की जिम्मेदारी है कि समाज में असुरक्षा न फैले इसके लिए गुरुओं को सामायिक सीखाने से पहले हर इंसान को न्याय नीति, सत्यवान तथा गुणवान बनने की प्रेरणा देनी चाहिए।

जिनदत्तकुशलसूरी सेवा एवं संगीत मंडल ने कृपा एनिमल लविंग ट्रस्ट में दिया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा संतश्री मलयप्रभसागरजी व साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी की प्रेरणा से मंडल के सदस्यों ने रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों की कड़ी में कृपा लविंग एनिमल ट्रस्ट संस्थान का दौरा किया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि कृपा लविंग ट्रस्ट में सैंकड़ों बीमार, लावारिस श्वानों का तथा अन्य मूक प्राणियों का आशियाना बनाया गया है। सेवा मंडल द्वारा गायों के लिए कृपा लविंग एनिमल ट्रस्ट को हरा और सूखा चारा सुधारने हेतु मशीन प्रदान की गई। महामंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि अरविन्द डोसी, मधु डोसी, महेन्द्र जैन एवं उनकी टीम ने मूक पशुओं की सेवा, इलाज, ऑपरेशन आदि का बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है।

मंडल की ओर से श्वानों एवं अन्य पशुओं को दूध, दही चावल, हरा चारा प्रदान किया गया एवं इसी के साथ मंडल के सुशीलादेवी बहादुरकुमार कांकरिया परिवार द्वारा पक्षियों को दाना चुगने का चबूतरा निर्माण कराने की घोषणा की गई। इस जीवदया कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, जीवदया संयोजक भरत कोठारी, राजेन्द्र गुलेच्छा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत

मुलाकात

कर्नाटक होजरी एवं गारमेन्ट एसोसिएशन (खागा) के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, सचिव कैलाश बालर, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, जोगेश जैन व पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत से शिष्टाचार मुलाकात कर होजरी एवं गारमेंट उद्योग से जुड़ी जानकारी साझा की। राज्यपाल ने खागा प्रतिनिधि मण्डल से भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को और अधिक बढ़ावा देने में सहयोग हेतु इससे संबंधित वस्त्रों के निर्माण पर जोर देने की बात कही।

दक्षिण भारत

प्रतियोगिता

जूनियर चेम्बर इंटरनेशनल बेंगलूरु गार्डन सिटी ने अपने सदस्यों के लिए चार्टर नाइट के 34 वर्षों के उपलक्ष्य में बॉलिंग इवेंट का आयोजन किया। इस बॉलिंग प्रतियोगिता में 80 सदस्यों ने भाग लिया। आयोजन में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय टेनपिन बॉलिंग टीम के सदस्य आकाश मरलेचा उपस्थित थे। इस आयोजन में प्रोजेक्ट कार्यकारी आद्या सुलोचना, प्रोजेक्ट प्रमुख प्रवीण जैन, उपाध्यक्ष कृष्णा शाह, संयुक्त सचिव धीरज मलानी, सचिव नरेश गादिया और वर्तमान अध्यक्ष चेतन पोरवाल उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

बेंगलूरु के राजस्थान परिषद् ने मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत केजी रोड स्थित पुंज सिंधी पंचायत में कमलेश भरत डूंगरवाल के सौजन्य से ज़रूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान सेवा का कार्यक्रम रखा गया गया। पुंज सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम कपाई ने भगवान राधा कृष्ण की प्रार्थना के साथ मानवसेवा कार्य का शुभारंभ किया जिसमें 300 लोगों ने लाभ लिया। परिषद् की ओर से सहमंत्री रणजीत राखेचा, कोषाध्यक्ष पंकज बैद एवं प्रतिभा राखेचा ने सेवाएं दी।

पाकिस्तान में बिजली दरों में वृद्धि, व्यापारियों ने हड़ताल की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बिजली की दरों में वृद्धि और दुकानदारों पर लगाए गए नए करों के विरोध में बुधवार को व्यापारी हड़ताल पर चले गए तथा प्रमुख शहरों और नगरीय क्षेत्रों में अपने कारोबार बंद कर दिए।

पिछले महीने पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ सात अरब अमेरिकी डॉलर के नए ऋण के लिए समझौता किए जाने के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने बिजली की दरों में लगातार वृद्धि की है। इन बढ़ती दरों ने भारी असंतोष पैदा कर दिया है और लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को पूरे पाकिस्तान में अधिकतर बाजार बंद रहे, हालांकि दवाओं की दुकानें और किराना दुकानें खुली रहीं। हड़ताल कर रहे एक नेता काशिफ चौधरी ने कहा कि आम जनता को असुविधा न हो, इसलिए इन दुकानों को बंद नहीं किया गया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com